



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 49] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 3, 1994 (अग्रहायण 12, 1916)
No. 49] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 3, 1994 (AGRAHAYANA 12, 1916)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4

[PART III—SECTION 4]

(सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं)

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व बैंक

विदेशीय कंपनी विभाग

केन्द्रीय कार्यालय

कलकत्ता-700001, दिनांक 29 सितम्बर 1994

अधिसूचना डी. एफ. सी. (सी. ओ. सी.) सं. 77-डी. (ओ. पी. एस)/94—भारतीय रिजर्व बैंक, लोक हित में यह आवश्यक समझकर और इस बात से संतुष्ट होकर कि देश के लाभार्थ ऋण प्रणाली को विनियमित करने हेतु बैंक को समर्थ बनाने के लिए गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (रिजर्व बैंक) निदेशावली, 1977 को संशोधित करना आवश्यक है, भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45अ, 45ब तथा 45ड द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस संबंध में उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा यह निदेश देता है कि दिनांक 20 जून 1977 की अधिसूचना सं. डी. एन. बी. सी.-38/डी. जी. (एच.)-77 में निहित निवेश तरकाल प्रभाव से निम्नलिखित प्रकार से संशोधित हो जायेंगे, अर्थात् :—

1. परिच्छेद 5(2) में उप परिच्छेद(घ) हटाया जाएगा ।

2. परिच्छेद 12 में उप परिच्छेद (2) के बाद और "स्पष्टीकरण" से पहले एक नया उप परिच्छेद (3) निम्नानुसार शामिल किया जाएगा, अर्थात् :—
“(3) उपर्युक्त उप परिच्छेद (1) तथा (2) में निहित किसी भी बात के होने के बावजूद 31 दिसम्बर, 1994 को और उस तारीख से

(अ) प्रत्येक,

(1) किराया खरीद वित्त कंपनी,

(2) उपस्कर पट्टे पर देने वाली कंपनी, तथा

(3) गैर-बैंकिंग कंपनी जो रिजर्व बैंक के पास पंजीकृत है और जो उपस्कर पट्टे पर देने वाली कंपनी अथवा किराया खरीद वित्त कंपनी के रूप में वर्गीकृत नहीं है,

भारत में

(क) अनुसूचित बैंक/बैंकों के पास खाते/खातों में (जो किसी प्रकार या ग्रहणाधिकार से मुक्त हों), अथवा

(ख) अभारित अनुमोदित प्रतिभूतियों (फिलहाल ऐसी प्रतिभूतियों का मूल्य उनके बाजार मूल्य पर किया जा रहा है) में, अथवा

(ग) आंशिक रूप से ऐसे खातों/खातों में अथवा आंशिक रूप से ऐसी प्रतिभूतियों में

इतनी राशि रखेगी जो किसी भी दिन के कारोबार की समाप्ति पर उस दिन कंपनी की बहियों में बकाया जमा राशियों के प्रदत्त प्रतिशत से कम नहीं होगी।

बशर्ते कि केन्द्र/राज्य सरकार की प्रतिभूतियों और/या सरकार द्वारा गारंटीकृत बाण्डों में निवेश, किसी भी दिन के कारोबार की समाप्ति पर, उस दिन बकाया जमा राशियों के दस प्रतिशत से कम नहीं होंगे,

(आ) प्रत्येक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी जो रिजर्व बैंक के पास पंजीकृत नहीं है और जो किराया खरीद वित्त कंपनी अथवा उपस्कर पट्टे पर देने वाली कंपनी के रूप में वर्गीकृत नहीं है, भारत में तरल आस्तियों, जैसा कि उक्त उप-परिच्छेद (अ) में उल्लिखित है, के रूप में ऐसी राशि रखेगी जो किसी भी दिन के कारोबार की समाप्ति पर कंपनी की बहियों में उस दिन बकाया जमा राशियों के साढ़े गान प्रतिशत से कम नहीं होगी।

बशर्ते कि केन्द्र/राज्य सरकार की प्रतिभूतियों और/अथवा सरकार द्वारा गारंटीकृत बाण्डों में निवेश किसी भी दिन के कारोबार की समाप्ति पर, उस दिन बकाया जमा राशियों के पांच प्रतिशत से कम नहीं होंगे।”

ओ. पी. सोहानी
कार्यपालक निदेशक

बैंकिंग परिचालन और विकास विभाग

बम्बई-400005, दिनांक 24 अक्टूबर 1994

सं. बी. सी. 126/12.01.001/94-95—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 42 की उप-धारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक इसके द्वारा धारा 42 की उप धारा (1) के परंतुक और उसके अंतर्गत जारी की गयी किसी भी अधिसूचना के साथ पठित उक्त उपबंध के अंतर्गत विदेशी मुद्रा (अनिवासी) खाता (बैंक) योजना के अंतर्गत बैंकों की जमा वयेताओं के साढ़े गान प्रतिशत से अधिक का औसत दैनिक शेष रखने की अपेक्षा से प्रत्येक अनुसूचित वाणिज्य बैंक को 29 अक्टूबर 1994 से प्रारंभ पखवाड़े से छूट प्रदान करता है।

ए. पी. अय्यर
कार्यपालक निदेशक

सं. बी. सी. 127/12.02.001/94-95—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 24 की उप धारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और 18 मई 1994 की अपनी अधिसूचना बैंपवि. सं. बी.सी. 63/12.02.001/93 में आंशिक संशोधन करने हुए भारतीय रिजर्व बैंक इसके द्वारा निर्दिष्ट करता है कि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को छोड़कर प्रत्येक अनुसूचित वाणिज्य

बैंक 29 अक्टूबर 1994 से प्रारंभ पखवाड़े से 30 सितम्बर 1994 को शुद्ध मांग और मियादी वयेताओं के स्तर तक की बकाया देशी शुद्ध मांग और मियादी वयेताओं पर 31.50 प्रतिशत आस्तियां तथा 30 सितम्बर 1994 के स्तर से ऊपर ऐसी वयेताओं में जो भी वृद्धि होगी, उसके 25 प्रतिशत के बराबर आस्तियां उक्त अधिनियम की धारा 24 की उप धारा (2क) में निर्दिष्ट रूप में भारत में रखेगा।

ए. पी. अय्यर
कार्यपालक निदेशक

द इन्स्टिट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया
कलकत्ता, दिनांक 31 अगस्त 1994

सं. 18सी. डब्ल्यू आर. (292)/94—एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि द कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स विनियमन 1959 के विनियम 18 के तहत उक्त विनियम के 17 द्वारा प्रयुक्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए द काउन्सिल आफ द इन्स्टिट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया ने श्री नारायणन रमण, एम. काम, ए. सी. ए., ए. आई. सी. डब्ल्यू ए., 11 थर्ड स्ट्रीट अभिरामपुरम, मद्रास-600018 (सदस्य संख्या 4888) 6 अगस्त, 1994 से प्रभावी, उनका नाम पुनः अपने सदस्यता के रजिस्टर में दर्ज कर लिया है।

एस. आर. आचार्य
सचिव

दिनांक 25 अक्टूबर 1994

सं. 16 सी. डब्ल्यू आर. (1172-1175)—द इन्स्टिट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स विनियमन 1959 के विनियमन 16 का अनुसरण करते हुए, एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि धारा 20 की उपधारा (1) (ए) के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जो कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स अधिनियम 1959 के अधीन प्रदत्त किया गया है द काउन्सिल आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया ने अपने सदस्यता के रजिस्टर से निम्नलिखित सदस्यों का नाम हटा दिया है :—

1. श्री एस. बी. मजूमदार, बी. काम (एच.), ए. आई. सी. डब्ल्यू ए. 150, शिवगला स्ट्रीट, डाकघर भद्रकाली जिला हंगली।
सदस्य संख्या 4193 दिनांक 24 अक्टूबर, 1992 से प्रभावी
2. श्री पी. के. प्रभुदेसाई, बी. काम (आनर्स), ए. सी. ए., ए. आई. सी. डब्ल्यू ए.
10, बेथानिया कालेज लेन, दावर,
बम्बई-400028
सदस्य संख्या 5799, दिनांक 9 दिसम्बर, 1993 से प्रभावी
3. श्री एस. वी. जबरमण, बी. काम, एफ. आई. सी. डब्ल्यू ए.,
फ्लैट सं. ए/2ए, विध्वंश एपार्टमेंट, मैकमिलन

कालोनी, 6ठा मैन रोड, नंगानलुर,
मन्नास-600061
(सदस्य संख्या 730) 28 सितम्बर, 1993 से
प्रभावी

4. श्री जी. डी. बैचए, बी. ए. बी. एस. सी. ए.
आई. सी. डब्ल्यू. ए.
प्लॉट सं. 37 श्रीकृष्ण नगर, बोरविली पूर्वी,
बम्बई-400066
सदस्य सं. 95 उनके मृत्यु के कारण दिनांक
12 जुलाई 1993 से प्रभावी

एस. आर. आचार्य
सचिव

सं. 16-सीडब्ल्यू.आर (1156-1157)—द कास्ट एण्ड वर्क्स
एकाउन्टेन्ट्स विनियमन 1969 के विनियमन 16 का अनु-
सरण करते हुए, एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि
द कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स अधिनियम 1959 की धारा
20 उपधारा (1) (बी) के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते
हुए व काउन्सिल आफ द इन्स्टिट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एका-
उन्टेन्ट्स आफ इण्डिया ने अपनी सदस्यता के रजिस्टर से निम्न-
लिखित सदस्यों का नाम हटा दिया है :—

1. श्री पी. डी. बैच
एम. काम, एल.एल.बी. ए.आई.सी.डब्ल्यू.ए.
1/6, विजय सांसायटी, अनियावर जंग मार्ग,
शहर बम्बई-400099

सदस्य संख्या 5390, उनके अपने अनुरोध पर
दिनांक 14 सितम्बर, 1994 से प्रभावी ।
तथा

2. श्री एन. जं. त्रिवेदी, ए.आई.सी.डब्ल्यू.ए.
303, धनमोरा कम्प्लेक्स, अदाजान पाटिया, रण-
वर रोड सूरन-395009 (सदस्य संख्या 2575,
उनके अपने अनुरोध पर दिनांक 7 अक्टूबर, 1994
से प्रभावी ।

ह./-

एस. आर. आचार्य
सचिव

सं. 18-सी.डब्ल्यू.आर (293-297/94)—द कास्ट एण्ड
वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स विनियमन 1959 के उक्त विनियमन 17 का
अनुसरण करते हुए एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि
द काउन्सिल आफ द इन्स्टिट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स
आफ इण्डिया ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित
सदस्यों के नाम पुनः लिख लिए हैं :—

1. श्री दिलीप कुमार राय, बी.ए. जानर्स, ए.आई.
सी.डब्ल्यू.ए.
7/43, विजयगढ़, कलकत्ता
सदस्य संख्या 1860 14 सितम्बर, 1994 से
प्रभावी ।

2. श्री जयन्त भट्टाचार्य, बी.काम, ए.सी.ए.,
ए.आई.सी.डब्ल्यू.ए.,
633, ब्लॉक 0 न्यू अलिपुर, कलकत्ता-700053

सदस्य सं. 4071 दिनांक 27 सितम्बर, 1994 से
प्रभावी

3. श्री एस. सुखोपाध्याय, बी. काम, ए. आई. सी. डब्ल्यू. ए.
को. जी. 2, फ्लैट 219 विकासपुरी, नई दिल्ली-
110018
सदस्य सं. 1890 दिनांक 27 सितम्बर, 1994
से प्रभावी

4. श्री श्री गोविन्द लाल मोदी, एम. काम, एफ. सी. ए.
ए., एफ. आई. सी. डब्ल्यू. ए.
पोस्ट बॉक्स 177, सफ्त 13002, कुवाइट
सदस्य संख्या 3685 दिनांक 30 सितम्बर, 1994
से प्रभावी तथा

5. श्री एन. डी. चन्द्रका, बी. ए., ए. आई. सी. डब्ल्यू. ए.,
ए. 4, पुण्डरीक विहार, पितम्पुरा, दिल्ली-
110034
सदस्य सं. 1768 दिनांक 30 सितम्बर, 1994 से
प्रभावी

एस. आर. आचार्य
सचिव

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1994

सं. एन. 12/13/1/94-यो. एवं वि.—कर्मचारी राज्य
बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 97 द्वारा
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कर्मचारी राज्य बीमा निगम,
कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 में संशोधन
करने के लिए उक्त धारा की उपधारा (1) द्वारा यथा-अपेक्षित
सुझाव/आपत्तियाँ, यदि कोई हैं, आमन्त्रित करते हुए भारत
के राजपत्र के भाग-3, खंड-4 दिनांक 14-5-1994 में इन्हें
पूर्व प्रकाशित करने के बाद निम्नलिखित विनियम बनाता है,
अर्थात् :—

1. (1) ये विनियम कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) चतुर्थ
संशोधन) विनियम, 1994 कहे जाएंगे ।
(2) ये एक सितम्बर, उन्नीस सौ चौरानवे से लागू
होंगे ।

2. विनियम 31-क में निम्नलिखित संशोधन किए
जाएंगे :—

“बारह प्रतिशत वार्षिक दर पर ब्याज” शब्द के स्थान पर
“पन्द्रह प्रतिशत वार्षिक दर पर साधारण ब्याज” शब्द प्रतिस्था-
पित किए जाएंगे ।

भगवती प्रसाद
बीमा आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1994

सं. एन. 15/13/11/2/94-यो. एवं वि.—(2) कर्म-
चारी राज्य बीमा (सामान्य विनियम-1950 के विनियम 95-क
के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948

का 34) की धारा-46 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 1-11-1994 एंसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिसमें उक्त विनियम 95-क तथा पंजाब कर्मचारी राज्य बीमा नियम-1955 में निर्दिष्ट शिक्षा हितलाभ पंजाब राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जायेंगे।

अर्थात् :

“तहसील एवं जिला लूथियाना के अन्तर्गत आने वाले राजस्व ग्राम तरफ काराबारा (काराबारा) हवबस्त संख्या-161”।

ओ. अब्दुल हमीद
निदेशक (यो. एवं वि.)

दिनांक 2 नवम्बर 1994

सं. एन. 15/13/2/5/75-यो. एवं वि.—(2) कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य विनियम-1950 के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा-46 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 1-10-1994 एंसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिसमें उक्त विनियम 95-क तथा असम कर्मचारी राज्य बीमा नियम-1955 में निर्दिष्ट शिक्षा हितलाभ असम राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जायेंगे।

अर्थात् :

“जिला मरीगांव में मीऊजा एवं तालुक गोवा के राजस्व ग्राम जागी रोड राजस्व टाउन, नौखला ग्रांट धनुसा, तेंधोरिया, पोडचम नौगांव, एवं कोरकट बस्ती के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र”।

ओ. अब्दुल हमीद
निदेशक (यो. एवं वि.)

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन

केन्द्रीय कार्यालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 1 नवम्बर 1994

संके. भं. निं. भा. 1/4) उड़ीसा (837)/94/1788—केन्द्रीय भविष्य निधि प्रायुक्त को जहां प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापना से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम (1952) 1952 का 19 के उपबन्ध उक्त स्थापनाओं पर लागू किए जाएं :-

क्र० सं०	कोड नं०	स्थापना का नाम व पता	व्यक्ति की तिथि
1	2	3	4
1.	उड़ीसा/3159	मै० कोडरैंड्रासपोर्ट मंगला बाग, कटक-1	30-4-86
2.	उड़ीसा/4683	मै० गजपति मिश्रोरिटी सर्विस (प्रा०) लि० प्लॉट नं० 697, झारपाडा, भुवनेश्वर-6	28-2-93

अतः मै. के० एम० सरमा केन्द्रीय भविष्य निधि प्रायुक्त उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापनाओं को उस या उस प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करता है जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने दर्शायी गई है।

के० एस० सरमा
केन्द्रीय भविष्य निधि प्रायुक्त

सं. के. भं. निं. भा. 1/4) महा० (841/94/1791—केन्द्रीय भविष्य निधि प्रायुक्त को जहां प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापना से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम (1952) 1952 का 19 के उपबन्ध उक्त स्थापनाओं पर लागू किए जाएं :-

क्र० सं०	की नं०	स्थापना का नाम व पता	व्यक्ति की तिथि
1	महा०/37569	मै० इन्टेक सिस्टमस प्रा० लि०, मारवाह हाउस 3, मारवाह इस्टेट, साकी विहार रोड, घंघेरी (ई०) बम्बई-400072	1-1-91
2	महा०/38508	मै० सांमद सहकारी पतपेदी लि० 13/18, बी०बी०डी० बाल, एन० एम० जोशी मार्ग, बम्बई-13	1-7-91
3	महा०/38900	मै० प्रशोक इंजीनियरिंग वर्क्स 158/ए, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, अपो० मोल्ड कुरला कोर्ट, कुरला (ई०) बम्बई-400010	1-6-92
4	महा०/60995	मै० लैकरीम प्राइस फ्रीम्स प्रा० लि०, प्लॉट नं० डब्ल्यू० 72-बी, एम० आई०डी० सी०, हिंगाना रोड, नागपुर	1-6-94
5	महा०/39252	मै० मितमोल कन्वेयर्स प्रा० लि० प्लॉट नं० 814 ए पेररिया कम्पाउण्ड, बिहार्ड संव्ययोरिटी इंड० इस्टेट, बम्बई-72 (शाखाओं सहित)	1-2-92
6	महा०/39775	मै० रेडियोग्राफिक सर्विसज (आई०) प्रा० लिमि०, 2, शिल्पा, 7वां रोड, 107, प्रभात कालोनी, सांताक्रुज (ई०) बम्बई-55	1-4-93
7	महा०/39774	मै० एक्स्प्रेस इंजीनियरिंग कन्सल्टेंसी 2 “शिल्पा” 7वां रोड, 107, प्रभात कालोनी, सांताक्रुज (ई०), बम्बई-55	1-4-93
8	महा०/39807	मै० रोमियो मैरिन मैनेजमेंट ग्राफ लार्सेस ग्राफ्टमेंटस ठाटा मन्दिर रोड, जकोना पाहप लाहम सांताक्रुज (ई०) बम्बई-55	1-3-94

अतः मैं, के० एम० शर्मा, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापनाओं को उस या उस प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करता हूँ जो उक्त स्थापनाओं के नाम के नामने दर्शाई गई है।

के० एम० शर्मा
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

मं० के० भ० नि० आ० 1(4) महा० (846)/94/1795--केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहाँ प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाओं से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापनाओं पर लागू किए जाएं।

क्र० सं०	कोड नं०	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1	2	3	4
1	महा०/29508	मै० त्वरंग साही एम्प्लॉयमेंट, गोरईनाका, सतारा-415001	1-11-93
2	महा०/29511	मै० हुतात्मा, तिरुत पन्थोर तहसील पाञ्चकारवाना कामगारों की सहकारी पत्र संस्था लि०, बालवे, ता० बालवे जि० सांगली	1-4-92
3	महा०/29502	मै० श्री महाश्वीर सहकारी वृद्ध व्यावसायिक संस्था लि०, किणी, ता० हातकणगले, जि० कोल्हापुर।	1-1-93
4	महा०/29503	मै० श्री स्वामी सामर्थ नागरी सहकारी पत्र संस्था मयादित, 1632 बी-वार्ड, मंगलवारपेट, कोल्हापुर।	1-4-92

अतः मैं, के० एम० शर्मा, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापनाओं पर उस या उसी प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करता हूँ जो उक्त स्थापनाओं के नाम के नामने दर्शाई गई है।

के० एम० शर्मा
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

मं० के० भ० नि० आ० 1(4) महा० (847)/94/1799--केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहाँ प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाओं से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत है

कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापनाओं पर लागू किए जाएं।

क्र० सं०	कोड नं०	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1	2	3	4
1	महा०/38433	मै० प्रगति प्रीमिसिस को-आप० सोमा० लि०, प्रगति इण्डस्ट्रियल इस्टेट, 316 एन० एम० जोशी मार्ग, बम्बई-400011	1-7-91
2	महा०/27929	मै० जे० के० सोमैया मेडिकल कानेज, नियर एवररड, नागपुर, ईस्टर्न एक्सप्रेस, हाईवे, सोमोन, बम्बई-400022	1-4-93
3	महा०/39597	मै० के० जे० सोमैया हास्पिटल रिसर्च सेंटर, नियर एवररड नगर, ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे, मियोन, बम्बई-400022	1-4-93

अतः मैं, के० एम० शर्मा, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापनाओं पर उस या उसी प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करता हूँ जो उक्त स्थापना के नाम के नामने दर्शाई गई है।

के० एम० शर्मा
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

मं० के० भ० नि० आ० 1(4) केरल (850)/94/1803--केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहाँ प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाओं से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापना पर लागू किए जाएं।

क्र० सं०	कोड नं०	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1	2	3	4
1	केरल/12674	मै० आ० जी० रामाचन्द्रन रेजी-डेनशियल पब्लिक स्कूल थोळुक्का, नेदतिनकारा, थिरुवनथापुरम-695121	1-12-93
2	केरल/12682	मै० मनीषी हर्बल रिसर्च काउन्सेलिंग, मुट्टाकुड पी०ओ० कोसियूर थिरुवनथापुरम-23	1-1-94

1	2	3	4
3.	केरल/12683	मै० समूचा रिह्यूमिडेशन सेक्टर फार वूमैन, के०पी०डी०/800 कुडुप्पानाकुडु, पी० धो० पिरुवताथापुरम-695005	1-1-94
4.	केरल/12685	मै० समुल्ल्या कालेज, नेडुनातीकारा उदयिनकुलनगरा, पी० धो० थिरुवताथापुरम	1-1-94
5.	केरल/13634	मै० एष्वर्य सिल्क्स, बंगनाचेरी ।	1-7-92
6.	केरल/13592	मै० टेकमेन केपेसटर्स (प्रा०) लि० 34/1090, बालाकृष्णन मेलन रोड, एडापल्ली, कोजिन-24	1-3-92
7.	केरल/12679	मै० बजुथुर तुरिजन हेंडलूम वीवर्स इंडस्ट्रियल (वर्कशाप) को० प्रा० मोसा० लि०, नं० एच०इड० टी० 360, पेरुमपुजुथुर, पी० धो० नेईतिनकारा ।	1-12-93

अतः मै० के० एस० शर्मा, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापनाओं पर उस या उसी प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करता हूँ जो उक्त स्थापना के नाम के सामने दर्शाई गई है ।

के० एस० शर्मा, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं० के० प्र० नि० प्रा० 1 (4) / महा० (852) / 94/1807- केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहाँ प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाओं से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापनाओं पर लागू किये जायें ।

क्रम सं०	कोड सं०	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1.	महा०/37121	मै० कपाडिया ट्रेडर्स प्रा० लि० 710, रहेजा सेंटर, नारीमन प्वाइंट बम्बई - 21	1-9-90
2.	महा०/37347	मै० ग्रेटर बम्बई पोलिस को प्रा० त्रेडिड सोसा० लि०, बी० डी० डी० बाल नं० 6, पहला तल, मारियम रोड नं० 5, बम्बई 400014	1-7-90
3.	महा०/37839	मै० महेंद्रा इन्सुलेशन सर्विस, महेंद्रा हाउस दत्ता मन्विर रोड, भन्सुप, बम्बई 400078	1-1-91

अतः मै० के० एस० शर्मा, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापनाओं पर उस या उसी प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करता हूँ जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने दर्शायी गयी है ।

के० एस० शर्मा
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं० के० प्र० नि० प्रा० 1 (4) महा० (857) / 94/1811- केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहाँ प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाओं से संबंधित नियोक्ताओं तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापनाओं पर लागू किये जायें ।

क्रम सं०	कोड सं०	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1.	महा०/60694	मै० संजय काटन कं० ओपेनवर लोडिया नगर, अकोला ।	31-3-92
2.	महा०/60114	मै० बिराज कन्दुक्कशम् 179, बी० नार्थ बाजार रोड, प्रर्वपेड एक्स, नागपुर - 440010	1-10-90
3.	महा०/50443	मै० एनन प्रोडक्ट्स इट्यू - 144 ए, एम० आर्द्र० डी० सी०, अम्बाड, नासिक - 10	31-5-93
4.	महा०/38915	मै० लायब्स इंटरनेशनल, 1007, रहेजा सेंटर, नारीमन प्वाइंट, बम्बई - 400021	1-4-92
5.	महा०/39271	मै० सारनबोरग फाइनंश प्रा० लि० इडेग हाउस, 82, डा० एनी बसेड रोड, बोरली, बम्बई - 400018	1-7-92
6.	महा०/50389	मै० बी दावा साहेब रामराव पाटील को-प्रा० बैंक लि०, साश्री ता० साकरी डि० धुले महाराष्ट्र, शाखाओं सहित ।	30-11-92
7.	महा०/60311	मै० कम्पलयेन्ड इंजीनियरिंग द्वारा अधिनाम एस० जोशी रश्मि अपार्टमेंट्स, लेन्डरा प्रोलेड रामदा सपेट नागपुर - 10	1-2-91

अतः मै० के० एस० शर्मा, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापनाओं को उस या उस प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करता हूँ जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने दर्शायी गई है ।

के० एस० शर्मा
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं० के० भा० नि० धा० 1(4) महा० (872)/94/1815—केन्द्रीय भविष्य निधि प्रायुक्त को जहाँ प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापना से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापनाओं पर लागू किए जायें।

क्र० सं०	कोड नं०	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1	2	3	4
1.	महा०/60757	मै० मोहना हाइड्रोइलिकसिप इन्स्यू-34, एम० आई० डी० सी इंडस्ट्रियल एरिया, हिंगना रोड, नागपुर-16	1-7-92
2.	महा०/29515	मै० भवरंग बस्त्र महल, पोबई नाका सतारा-415009	1-11-93
3.	महा०/29523	मै० दी केसल 1718/ई० राजारामपुरी दूसरी लेन, कोल्हापुर-416008	1-12-93
4.	महा०/38076	मै० श्री कलमेश्वर सहकारी पता संस्था (लि०) मुंबई, 11, शिवस्मृति शिगट मास्टर चौक, शिगटे करी रोड, नाका, एम०एम० जोशी मार्ग, मुंबई-400013	1-7-91
5.	महा०/38761	मै० बसपर एंटप्राइजिज, 22, सी० वी० गुलाक रोड, बस स्टैंड, बांद्रा, बम्बई-400050	31-10-91
6.	महा०/39766	मै० स्वास्तिक इंडस्ट्रियल को०-प्राप० सोसा० लि०, सी०-12 मुकुट नगर को०-प्राप० हाउसिंग सोसा०, बम्बई।	1-10-92
7.	महा०/39804	मै० जैट एयरवेज प्रा० लि० 28, टेली पार्क रोड, अंबेरी (ई) बम्बई-69 (शाखाओं सहित)	1-1-93
8.	महा०/39809	मै० स्पक स्पेन सर्विसिज नं० 3, "बम्बलेबा" 16, युनियन पार्क पाली हिल, बांद्रा, बम्बई 400050	1-1-94

अतः मै० के० एस० शर्मा, केन्द्रीय भविष्य निधि प्रायुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापनाओं को उस प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करता हूँ जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने दर्शायी गई है।

के० एस० शर्मा,
केन्द्रीय भविष्य निधि प्रायुक्त

सं० के० भा० नि० धा० 1(4) महा० (873)/94/1819—केन्द्रीय भविष्य निधि प्रायुक्त को जहाँ प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापना से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत है कि

कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापनाओं पर लागू किए जायें।

क्र० सं०	कोड नं०	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1	2	3	4
1.	महा०/39192	मै० शेखर इलेक्ट्रिक कं० बी०-17, कामापलुष्पा, बांद्रा, रिफ्लेक्शन (बै०) बम्बई-400050	1-10-92
2.	महा०/60904	मै० कलमेश्वर तालुक सहकारी गेटकी खरेदी विक्री सोसा० लि०, कलमेश्वर, डि० नागपुर।	1-4-93
3.	महा०/60388	मै० कम्युनिटी डेवलपमेंट सोसा०, 6-7 बाई० एम० सी० ए० कमप्लेक्स, महाराज बाग रोड, नागपुर-440001 (शाखाओं/यूनिट सहित)	1-4-90
4.	महा०/60813	मै० कोराही धर्मल पावर स्टेशन क्रेडिट को०-प्राप० सोसा० लि०, कोराही डि० नागपुर	1-11-92
5.	महा०/35674	मै० प्रिंट प्राकृति यूनिट नं० 23, ए० जैड इंडस्ट्रियल इस्टेट, जी० के० मार्ग, लोधर परेल बम्बई-400013	1-2-88
6.	महा०/38875	मै० सुबक प्रार्टस यूनिट नं० 212 ए० जैड इंडस्ट्रियल इस्टेट, जी० के० मार्ग, लोधर परेल बम्बई-400013	1-1-90
7.	महा०/29539	मै० श्री साहू छतवति सहकारी वृक्ष व्यवसाय लेक संस्था लि०, कंडगांव, तह० करवीर, डि० कोल्हापुर।	1-12-93
8.	महा०/39822	मै० बिमा कामगार को०-प्राप० बैंक लि० योगकेशमा, शाउण्ड फ्लोर, जीवन बीमा मार्ग बम्बई-400026 (शाखाओं सहित)	1-3-94

अतः मै० के० एस० शर्मा, केन्द्रीय भविष्य निधि प्रायुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापनाओं को उस प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करता हूँ जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने दर्शायी गई है।

के० एस० शर्मा,
केन्द्रीय भविष्य निधि प्रायुक्त

सं० के० भा० नि० धा० 3(4) महा० (804)/94/1823—केन्द्रीय भविष्य निधि प्रायुक्त को जहाँ प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाओं के संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापनाओं पर लागू किये जायें।

क्र० सं०	कोड नं०	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1	2	3	4
1.	महा०/29484	मै० प्रीसिगिन स्टैपिंग इंडस्ट्री प्रोगलेवडी-415105, कराड, डि० सतारा	1-8-92

1	2	3	4
2. महा०/ 29485	मै० चिक्ले वि० क० सं० (विकास) यह सेवा संस्था मर्यादित, चिक्ले, तालि० बागवा, डि० मांगली।	1-1-93	
3. महा०/ 38479	म० मेटमाइन फाइनेसल होलिडिंग प्रा० लि०, 161/162, मिस्तल कोर्ट "ए" बिग नारीमन प्वाइंट, बम्बई-400021	1-10-91	
4. महा०/38809	मै० प्युचरा ट्रेड्स प्रा० लि०, 208, रहेजा सेन्टर, II फ्लोर, फ्री प्रेस जनरल रोड, बम्बई-400021	1-8-92	
5. महा०/ 60844	म० विनोद स्वीट्स एण्ड कोल्डड्रिंक्स पारलम, नियर नरसिंह टाकीस महल- नागपुर- 2	1-12-92	
6. महा०/ 60958	मै० लोटस सिन्डोरिटी सर्विस, नियर लाल स्कूल, लोधीपुरा, नागपुर-18	1-6-91	
7. महा०/ 39448	मै० जेनेसिस एडवर्टाइसिंग, कथक भवन दुमरा तल, दावासा हेब फालके रोड, दादर (ई) बम्बई-400014	1-2-93	
8. महा०/ 35724	मै० स्कैन वीडियो प्रा० लि०, 1110 रहेजा चैम्बर्स, एफ० पी० जे० रोड, नारीमन प्वाइंट, बम्बई-400021	1-10-89	
9. महा०/ 60714	मै० शंकर रिवाइविंग बक्स जे० डी चौक ब्रम्पेट, नागपुर।	1-6-92	

प्रतः म, कै० एस० शर्मा, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप धारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापनाओं पर या उसी प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करता हूँ जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने दर्शायी गयी है।

कै० एस० शर्मा,
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

नई दिल्ली-110001, दिनांक 1 नवम्बर 1994

सं. एफ. पी. 1(89/89-1827—जहाँ मैसर्स राजस्थान राज्य बिजली कोड सं. आर. जे. 330 ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा (सी) के अंतर्गत कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम 1971 से छूट प्रदान करने के लिए आवेदन किया है।

शुक्ति, मैं कै० एस० शर्मा, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि स्थापना पेंशन एवं सामान्य भविष्य निधि स्कीम नियमों के अंतर्गत 28-11-88 से उक्त स्थापना को परिवार पेंशन के रूप में मिलने वाले लाभ कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम, 1971 और अधिनियम के अंतर्गत उपबन्ध लाभ से अधिक अनुक्ल है।

उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1 सी) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, कै० एस० शर्मा, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त उक्त स्थापना के नियमित कर्मचारियों को पूर्व तिथि 28-11-88 से 30-9-97 तक कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम 1971 के सभी उपबन्धों को लागू करने से छूट प्रदान करता हूँ।

संदर्भ :—

स्थापना के पेंशन नियम/परिवार पेंशन स्कीम में अन्य बातों के होते हुए भी यदि सदस्य की मृत्यु होने पर उसको धना की जाने वाली पेंशन परिवार पेंशन की राशि से कम है यदि सदस्य परिवार पेंशन स्कीम का सदस्य था तो नियोजित कर्मचारी पेंशन स्कीम 1971 के अंतर्गत परिहार्य परिवार पेंशन की ही मंजूरी देगा।

2. नियोजित लेखों का रख-रखाव करेगा क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को विशरण भेजेगा और समय-समय पर केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त के निर्देशानुसार निरक्षक सुविधा प्रदान करेगा।

3. नियोजित लेखों के रख-रखाव सहित लेखों का अन्तरण, लेखों एवं विशरण की प्रस्तुत करना तथा उक्त स्थापना की परिवार पेंशन स्कीम के प्रशासनिक व्यय को भी वहन करेगा।

4. नियोजित स्थापना के नोटिस बोर्ड पर नियमों की प्रति-लिपि यदि उक्त स्थापना के पेंशन नियम/परिवार पेंशन स्कीम में कोई संशोधन है तो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त द्वारा अनुमोदित संशोधन के साथ उसकी मुख्य विशेषताओं का अनुवाद जो अधिकांश कर्मचारियों की भाषा में हो प्रतिनिधि लगाएगा।

5. केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना स्थापना के पेंशन नियम/परिवार पेंशन स्कीम के नियमों में ऐसा कोई भी संशोधन नहीं किया जायेगा जो कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव डाले। केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए पर्याप्त अवसर देगा।

कै० एस० शर्मा
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

भारतीय विधिज्ञ परिषद

नई दिल्ली-110002

भारतीय विधिज्ञ परिषद ने तारीख 10-7-1994 को अपनी बैठक में भारतीय विधिज्ञ परिषद नियमावली के भाग 6, अध्याय 3 में नियम 9 में संशोधन किया है, जैसा कि निम्नलिखित संकल्प में दिशा गया है :—

संकल्प सं 20/1994

संकल्प किया जाता है कि भाग 6, अध्याय 3 में, नियम 9 के साथ निम्नलिखित परन्तुक जोड़कर नियम 9 का संशोधन किया जाए :—

“परन्तु यह नियम उनको जिन्हें इसके पूर्व वकील अधिवक्ता के रूप में नामांकित किया गया था और उनको जिन्होंने न्यायाधिक अधिकारी के रूप में कम से कम दस वर्ष की अवधि के लिए सेवा की है और वे पदस्थ/हुटाए गए कर्मचारी नहीं हैं, लागू नहीं होगा।”

नियम संशोधित रूप में इस प्रकार पढ़ा जाएगा :—

“किसी ऐसे व्यक्ति को अधिवक्ता के रूप में नामांकित नहीं किया जाएगा जिसने उस तारीख को जिसको वह राज्य विधिज्ञ परिषद को अधिवक्ता के रूप में अपने नामांकन के लिए आवेदन-पत्र प्रस्तुत करता है, 45 वर्ष की आयु पूरी कर ली है :—

परन्तु यह नियम उनको जिन्हें इसके पूर्व बकील/अधिवक्ता के रूप में नामांकित किया गया था और उनको जिन्होंने न्यायिक अधिकारी के रूप में कम से कम दस वर्ष की अवधि के लिए सेवा की है और वे पदच्युत/हटाए गए कर्मचारी नहीं हैं, लागू नहीं होगा।”

सी. एम. बालारामन

सचिव

बार कौंसिल आफ इण्डिया

छावनी परिषद

कानपुर, दिनांक 8 नवम्बर 1994

सं. 53/4/सी/डीई/94—जबकि छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 60 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए तथा का. नि. आ. सं. 53/2/एल एण्ड सी/75 दिनांक 18-6-1990 के अंतर्गत प्रकाशित भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय, रक्षा संपदा महानिदेशालय की अधिसूचना का अधिकरण करते हुए छावनी बोर्ड, कानपुर द्वारा प्रस्तावित गृह कर लगाने से संबंधित प्रारूप अधिसूचना दिनांक 18-8-1993 को, जिसकी एक प्रति उक्त अधिनियम की धारा 61 जिसे धारा 255 के साथ पड़ा जाए, में उल्लिखित आवश्यकतानुसार, छावनी बोर्ड के प्रमुख स्थान पर लगाकर प्रकाशित की गयी थी एवं जिसके द्वारा इससे प्रभावित हो सकने वाले व्यक्तियों से उक्त सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर आपत्तियां तथा सुझाव मांगे गए थे।

छावनी परिषद, कानपुर द्वारा व्यक्तियों से प्राप्त आपत्तियों एवं सुझावों पर विचार किया गया।

छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 60 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के आधार पर तथा भारत सरकार और रक्षा मंत्रालय, रक्षा संपदा महानिदेशालय की अधिसूचना जो कि एस. आर. ओ. सं. 53/2/एल एण्ड सी/75 दिनांक 18-6-1990 में प्रकाशित हुई थी, का अधिकरण करते हुए छावनी बोर्ड, कानपुर केंद्र सरकार की पूर्व अनुमति से एतद्द्वारा छावनी परिषद, कानपुर की सीमा के अंदर संलग्न सूची में विनिर्दिष्ट अनुसार निम्नलिखित मकान कर लगाता है।

इसके साथ यह प्रावधान होगा कि उक्त मकान कर निम्नलिखित पर नहीं लगाया जाएगा :

- (क) जिन भवनों तथा भूमियों का वार्षिक किराएदारी मूल्य रुपये 360/- से कम है।
- (ख) कृषि कार्य के उद्देश्य से उपयोग में लाई जा रही भूमि।

अनुसूची

मकान के मूल्य पर कर योग्य राशि	कर की दर
1. रुपये 361 से 3000 तक	11 प्रतिशत
2. रुपये 3001 से 5000 तक	13 प्रतिशत
3. रुपये 5001 से 10,000 तक	15.5 प्रतिशत
4. 10,001 से 20,000 तक	16.5 प्रतिशत
5. रुपये 20,001 से अधिक	17.5 प्रतिशत

हरीश प्रसाद, छावनी अधिशासी अधिकारी, कानपुर

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1994

सं. यूटी/डीवीडीएम/452 ए/एसपीडी 51/93-94—भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 (1963 का 52) की धारा 21 के अंतर्गत बनायी यूनिट योजना 1964 के उपबंधों में हुए संशोधन 20 अक्टूबर, 1994 को हुई कार्यकारिणी समिति की बैठक में अनुमोदित किए गए हैं, उन्हें इसके नीचे प्रकाशित किया जाता है।

एस. के. दासगुप्ता,

संयुक्त महाप्रबंधक

व्यवसाय विकास और विपणन विभाग

अनुबंध

यूनिट योजना 1964 के उपबंधों में संशोधन

खंड 23(2) के बाद 'यूनिटधारकों को भूगतान' में निम्नलिखित पैरा शामिल किया जाए

“फिर भी ट्रस्ट योजना के अंतर्गत प्रारक्षित निधियों पर निर्भर करते हुए और यदि परिस्थितियां अनुकूल हों तो यूनिट धारक लाभार्थी के क्लेम के बारे में किए गए किसी दावे पर यूनिटधारक को ऐसी रूप एवं पद्धति से संभाव्य सीमा में क्षतिपूर्ति करेगा जैसा कार्यकारिणी समिति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।”

एस. के. दासगुप्ता,

संयुक्त महाप्रबंधक

व्यवसाय विकास और विपणन विभाग

दिनांक 10 नवम्बर 1994

सं. यूटी/डीवीडीएम/515 ए/एसपीडी 719/93-94—भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 की धारा 19(1) (8) (सी) के अंतर्गत निर्मित मासिक आय यूनिट प्लान 1994 (3) और भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 (1963 का 52) की धारा 21 के अंतर्गत बनाई गई मासिक आय यूनिट योजना 1994 (3) के प्रावधान 21 सितम्बर, 1994 को हुई कार्यकारिणी समिति की बैठक में अनुमोदित किए गए हैं, जो इसके नीचे प्रकाशित किए जाते हैं।

एस. दास गुप्ता,

संयुक्त महाप्रबंधक

व्यवसाय विकास और विपणन विभाग

मासिक आय योजना 1994 (3)

एमआईपी 94 (3)

भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 (1963 का 52) की धारा 21 और उक्त अधिनियम की धारा 19 (1) (8) (सी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय यूनिट ट्रस्ट बोर्ड एतद्वारा निम्नलिखित उपबंधों के अनुसार ऐसी यूनिट योजना से संबंधित मासिक आय योजना 1994 (3) और प्लान बनाता है।

मासिक आय योजना 1994 (3) के उपबंध

[एमआइएस 94 (3)]

1. संक्षिप्त शीर्षक और योजना का आरम्भ :

(1) यह योजना मासिक आय योजना 1994 (3) [एमआइएस 94 (3)] कही जाएगी।

(2) यह पांच वर्ष की अवधि के लिए होगी। 1 [अर्थात् 1 जनवरी 1995 से 31 दिसम्बर 1999 तक]।

(3) 2 [यूनिटों की बिक्री 10 नवम्बर 1994 से 7 दिसम्बर 1994 तक होगी।]

(4) मासिक आय यूनिट योजना अतिरिक्त बोनस और वृद्धि सहित (13) 1989 [एमआइएसजी (13)'89] योजना के यूनिट-धारकों को पुनर्निवेश का विकल्प

एमआइएसजी (13)'89 दिनांक 1 नवम्बर 1994 को परि-एकद होगी। एमआइएसजी (13)'89 के पात्र यूनिटधारकों को इस योजना के यूनिटों में उनकी एमआइएसजी (13)'89 की परि-एकदता आय को पुनर्निवेश करने की अनुमति दी जाएगी। एमआइएसजी (13)'89 के यूनिट धारक पुनर्निवेश के लिए ऐसे विकल्प का 3 [10 नवम्बर 1994 से 7 दिसम्बर 1994] के दौरान प्रयोग कर सकते हैं।

(5) अध्यक्ष प्रमुख समाचार पत्रों में या ट्रस्ट द्वारा यथा-निर्णीत किसी अन्य तरह से पूर्व सूचना देकर कभी भी इस योजना और इसके अंतर्गत बने प्लान में यूनिट की बिक्री स्थगित कर सकते हैं। या उसकी अवधि बढ़ा सकते हैं।

2. परिभाषाएं :

इस योजना और इसके अंतर्गत बने प्लान में जब तक संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो—

- (क) “अधिनियम” का अर्थ है भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 है;
- (ख) “स्वीकृति तिथि” का अर्थ ट्रस्ट द्वारा यूनिटों की बिक्री या पुनर्खरीद के लिए किसी आवेदक द्वारा ट्रस्ट को प्रेषित आवेदन पत्र के संदर्भ में वह तिथि है जब ट्रस्ट संतुष्ट होकर समझता है कि आवेदन सही है और उसे स्वीकार करता है;
- (ग) “वैकल्पिक आवेदक” का अर्थ नाबालिग के मामले में वह माता-पिता है, जो नाबालिग की ओर से आवेदन करनेवाले माता-पिता से हों।

1. 20-10-1994 को शामिल किया गया।

2. “यूनिटों की बिक्री अध्यक्ष द्वारा यथाविर्णित अवधि के दौरान की जाएगी” के स्थान पर 20-10-1994 को शामिल किया गया।

3. “1 नवम्बर 1994 से 30 नवम्बर 1994” के स्थान पर 20-10-1994 को शामिल किया गया। 1 [1 जनवरी 1995] से पुनर्निवेश प्रभावी होगा और धारण की अवधि 5 वर्षों की अर्थात् 2 [31 दिसम्बर 1999] तक होगी। 3 []

(घ) “आवेदक” का अर्थ है व्यक्ति जो योजना और उसके अंतर्गत बनाए गए प्लान में शामिल होने के लिए पात्र होगा, जो अवयस्क नहीं होगा और आवेदन पत्र में उल्लिखित वैकल्पिक आवेदक सहित जब मानसिक विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिए यूनिटों की बिक्री की गयी हो और प्लान के खंड 3 के अंतर्गत आवेदन करता हो।

(ङ) “पात्र संस्था” का अर्थ भारतीय यूनिट ट्रस्ट सामान्य नियमावली 1964 में यथापरिभाषित कोई पात्र ट्रस्ट है।

(च) योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान में “सदस्य” को रूप में प्रयुक्त अभिव्यक्ति का अर्थ उस आवेदक से है और जो इसमें शामिल है, जिसे इस योजना में यूनिट आवंटित किए गए हों।

(छ) “मानसिक विकलांग व्यक्ति” का अर्थ वह व्यक्ति, जो ऐसी मानसिक अक्षमता से ग्रस्त हो, जो उसे जीवन के सामान्य कार्य करने से वंचित रखता हो और जो पंजीकृत चिकित्सक द्वारा उसी रूप में प्रमाणित हो।

(ज) “जारी समझे जानेवाले यूनिटों की संख्या” का अर्थ देचे गए और बकाया यूनिटों की कुल संख्या है।

(झ) “व्यक्ति” में ऊपर यथापरिभाषित पात्र संस्था शामिल है।

(ञ) “मान्यताप्राप्त शेयर बाजार” का अर्थ यह शेयर बाजार है, जिसे तत्समय प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) के अंतर्गत मान्यता प्राप्त है।

(ट) “विनियमावली” का अर्थ अधिनियम की धारा 43 (1) के अंतर्गत बनी भारतीय यूनिट ट्रस्ट सामान्य विनियमावली 1964 है।

(ठ) “पुनर्निवेश वैकल्पिक” का अर्थ उन व्यक्तियों से है और एमआइएसजी (13)'89 के वे यूनिटधारक इस अर्थ से शामिल हैं जिन्होंने अपनी धारिता को इस योजना में पुनर्निवेश के विकल्प का प्रयोग किया हो।

(ड) “सेबी” का अर्थ है भारतीय प्रतिभूति और एक्सचेंज बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) के अंतर्गत बनाया गया भारतीय प्रतिभूति और एक्सचेंज बोर्ड।

(ढ) “समिति” का अर्थ समिति पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत स्थापित या अन्य कोई समिति

1. “1 दिसम्बर 1994” के स्थान पर 20-10-1994 को शामिल किया गया।

2. “30 नवम्बर 1994” के स्थान पर 20-10-1994 को शामिल किया गया।

3. इसके अंतर्गत बनाए गए योजना और प्लान के उपबंध तदनुसार ऐसे पुनर्निवेश वैकल्पिकों के लिए भिन्न होंगे। को 20-10-1994 को निराल दिया गया।

तत्समय प्रवृत्त राज्य या केन्द्रीय विधि के अंतर्गत स्थापित समिति है।

(ग) 'यूनिट' का अर्थ यूनिट पूंजी में दस रुपए के अंकित मूल्य का एक अविभक्त शेयर है।

(घ) इसमें अपरिभाषित लेकिन अधिनियम में परिभाषित अन्य सभी अभिव्यक्तियों के वही अर्थ होंगे, जो अधिनियम में दिए गए हैं।

3. इस योजना से संबंधित आस्तियों का मूल्यांकन।

(क) मूल्यांकन की तारीख को बम्बई स्टॉक एक्सचेंज के अंतिम मूल्यों पर सूचीबद्ध प्रतिभूतियों का मूल्यांकन किया जाएगा। जो प्रतिभूतियाँ बम्बई स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध नहीं होंगी उनका मूल्यांकन उनके प्रमुख स्टॉक एक्सचेंजों के अंतिम मूल्यों पर किया जाएगा। यदि मूल्यांकन की तारीख से पूर्व एक माह से अधिक अवधि तक प्रतिभूतियों का व्यवसाय नहीं किया गया हो तो ऐसी प्रतिभूति के मूल्यांकन की विधि ट्रस्ट जैसा उचित प्रतीत हो, तब की जाएगी ताकि बोर्ड द्वारा अनुमोदित मूल्यांकन की विधि के अनुसार इसका सही प्राप्य मूल्य दर्शाया जा सके।

(ख) मुद्रा बाजार लिखत तथा डिबेंचर सहित अन्य नियत आय वाली लिखतों का मूल्यांकन वर्तमान आय और समतुल्य लिखतों के परिपक्वता मूल्य के आधार पर अथवा ट्रस्ट जैसा उचित समझे उस तरीके से किया जाएगा।

(ग) उपरोक्तानुसार निर्धारित मूल्य में, नियत आयवाली प्रतिभूतियों और डिबेंचरों के मामले में प्रोद्भूत लेकिन अप्राप्त व्याज और इन्क्यूटी शेयर के मामले में घोषित लेकिन अप्राप्त लाभांश तथा ट्रस्ट को ऐसी अन्य प्राप्तियाँ जो प्रोद्भूत हुई हों अथवा प्रोद्भूत होने योग्य हों, जोड़ी जाएंगी।

(घ) अन्य सभी आस्तियाँ जिनका मूल्यांकन पूर्वोक्तानुसार न किया जा सके, उनका मूल्यांकन वही मूल्य पर किया जाएगा और यदि वह उपलब्ध न हो तो ट्रस्ट द्वारा उचित समझी गई विधि से किया जाएगा।

(ङ) जो प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध न हों उनका मूल्यांकन बोर्ड द्वारा आवधिक रूप से संशोधित किया जाएगा।

4. योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के प्रयोजनार्थ ट्रस्टों को स्वीकृति और मान्यता नहीं दिया जाना:

(1) जो व्यक्ति सदस्य के रूप में पंजीकृत है और जिसके नाम से सदस्यता सूचना जारी की गई है, वही व्यक्ति ट्रस्ट द्वारा सदस्य के रूप में मान्य होगा और चूंकि ऐसे यूनिटों में उसका अधिकार, हक और हित है, इसलिए ट्रस्ट ऐसे सदस्य को उसके पूर्ण स्वामी के रूप में मान्यता देगा और इस योजना से संबंधित यूनिटों के हक को प्रभावित करने वाले किसी न्याय या इक्विटी या अन्य हित को मान्यता देने के लिए यहां स्पष्ट रूप से किए गए प्रावधान या किसी सूक्ष्म प्राधिकार वाले न्यायालय के आदेश को छोड़कर किसी विपरीत नोटिस या किसी न्याय के निष्पादन पर ध्यान देने के लिए बाध्य नहीं होगा।

(2) जब कोई व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति को मानसिक रूप से विकलांग है, के लाभ के लिए आवेदन करता है और ट्रस्ट द्वारा उसे स्वीकार किया जाता है तो यह नहीं माना जाएगा कि ट्रस्ट बने किसी विश्वास को ध्यान में रखा है। ट्रस्ट योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के अंतर्गत सभी प्रयोजनों के लिए आवेदक या आवेदक की मृत्यु होने पर आवेदन पत्र में वैकल्पिक आवेदक के रूप में उल्लिखित व्यक्ति के साथ व्यवहार करेगा।

5. यूनिटों का अंतरण

इस योजना के अंतर्गत जारी यूनिट अंतरणीय/गिरवी रखने योग्य/सम्पन्नदेशनीय नहीं हैं। [1]

6. 2[]

7. निवेश उद्देश्य

योजना के अंतर्गत संग्रहीत निधियों का सभी प्रारम्भिक कार्य पूर्ण और परिचालनगत खर्चों का प्रावधान करने के बाद योजना के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सामान्यतः निम्न रूप में निवेश किया जाएगा।

(1) निधियों का कम से कम 80% सार्वधिक आय सिक्युरिटीयों और निवेशों में निवेश किया जाएगा।

(2) निधियों का 20% इक्विटी, इक्विटी संबंधी लिखतों और मुद्रा बाजार लिखतों में निवेश किया जाएगा।

8. निवेश सीमा

1. [(3) सभी ऋण लिखित जिनमें योजना द्वारा निवेश किया गया है उनका ऋण पात्रता मूल्यांकन एजेंसी द्वारा निवेश श्रेणी के रूप में पात्रता-मूल्यांकन नहीं किया जाएगा। बशर्ते यदि ऋण लिखित को पात्रता-मूल्यांकन नहीं किया जाता है, तो निवेश के लिए ट्रस्ट के सार्विक मंडल का विशेष अनुमोदन लिया जाएगा।

(2) इस योजना द्वारा कोई सार्वधिक ऋण नहीं दिया जाएगा।

(3) निजी रूप से नियोजित डिबेंचरों, प्रतिभूति ऋणों और अन्य अनुद्भूत ऋण लिखतों के जरिए किया गया निवेश योजना के कुल आस्तियों के 40% से अधिक नहीं होगा।

(4) यह योजना अपने निकाय का 5% से अधिक किसी एक कम्पनी के शेयरों में निवेश नहीं करेगी।

(5) इस योजना सहित सभी योजनाओं की निधियों का 10% से अधिक किसी एकल कम्पनी के शेयरों डिबेंचरों अथवा अन्य प्रतिभूतियों में निवेश नहीं किया जाएगा।

1. 'यद्यपि, संवी विनियमों के अनुसार शेयर बाजारों में यदि यूनिट सूचीबद्ध होते हैं तो यूनिट ट्रस्ट मुक्त रूप से अंतरण योग्य होंगे' को 20-10-1994 को निकाल दिया गया।

2. 'यूनिटों' की सूचीबद्धता

यदि संवी द्वारा यूटीआई को विशेष वितरण प्रदान नहीं किया जाता, तो अध्यक्ष द्वारा यथानिर्णीत इस योजना के अंतर्गत यूनिटों को शेयरबाजार में सूचीबद्ध किया जाएगा' को 20-10-1994 को निकाल दिया गया।

3. 20-10-1994 को शामिल किया गया।

11(6) इस योजना सहित सभी योजनाओं के अंतर्गत आनेवाली निधि का 15% से अधिक किसी एक उद्योग के शेयरों अथवा डिबेंचरों में निवेश नहीं किया जाएगा।

वर्षातः यह प्रावधान उस योजना को लागू नहीं होगा जो एक अथवा अधिक विशिष्ट उद्योगों में निवेशों के लिए जारी की गई है और उस आशय की घोषणा प्रस्ताव-पत्र में की गई है।

(7) इस योजना से ट्रस्ट के किसी अन्य योजना/प्लान में निवेशों का अंतरण ट्रस्ट के न्यासी मंडल द्वारा निर्धारित की गई नीतियों के अनुसार होगा।

(8) यह योजना यूटीआई की किसी अन्य योजना/प्लान में निवेश नहीं करेगी अथवा उसे ऋण नहीं देगी।

(9) यह योजना अपने निवेशों के वित्त पोषण के लिए निधियों उधार नहीं लेगी।

9. विकास प्रारक्षित निधि (डीआरएफ) अंशदान

पूँजी का 0.25% ट्रस्ट की विकास प्रारक्षित निधि में प्रति-वर्ष 0.05% की दर से पांच वर्षों के लिए वसूल किया जाएगा। इसके अतिरिक्त उसके बाद प्रतिवर्ष शुद्ध आस्ति मूल्य के 0.05% की दर से अंशदान किया जाएगा।

10. लेखों का प्रकाशन

ट्रस्ट प्रत्येक वर्ष 30 जून के बाद यथाशीघ्र बोर्ड द्वारा चिनि-दिष्ट रीति से लेखों का प्रकाशित करेगा, जिसमें उस तिथि को समाप्त अवधि का योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के कार्यों का विवरण होगा। ट्रस्ट सेवा की विधिवत् रूप से परीक्षित तुलनपत्र सहित वार्षिक लेखों की प्रतियाँ और लाभ हानि लेखा अपरीक्षित अर्ध वार्षिक लेखों और एनपी में हुए उतार चढ़ाव का एक तिमाही विवरण और पिछली अवधि में हुए परिवर्तनों सहित तिमाही पोर्टफोलियो विवरण भेजेगा। ट्रस्ट निवेशकों को वह जानकारी देगा जो उनके निवेश पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के बारे में हो और जिसका सूचित किया जाना आवश्यक हो।

ट्रस्ट, सदस्य से लिखित रूप में अनुरोध प्राप्त होने पर, उस प्रकाशित लेखों और विवरणों की एक प्रति भेजेगा।

11. योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान में परिवर्धन और संशोधन

बोर्ड समय-समय पर इस योजना और इसके अंतर्गत बने प्लान में परिवर्धन या अन्यथा संशोधन कर सकता है और उसमें किए गए परिवर्धन/संशोधन की अधिसूचना सरकारी राजपत्र में की जाएगी। किसी संशोधन के मामले में सेवा का पूर्व अनु-मोदन लिया जाएगा।

1. इसे निम्न के स्थान पर 20-10-1994 को शामिल किया गया।

(क) किसी भी कम्पनी की प्रतिभूतियों में ट्रस्ट द्वारा योजना की निधि का निवेश ऐसी कम्प-नियों की निर्गति और वकाया प्रतिभूतियों के 15% से अधिक नहीं होगी। लेकिन, किसी नए औद्योगिक उपक्रम द्वारा प्रारम्भ में निर्गत पूँजी में ऐसा कुल निवेश उक्त निधियों की कुल राशि के 5% से अधिक नहीं होगा।

(ख) उप खंड (क) में निर्धारित सीमा किसी कम्पनी के सुरक्षित या असुरक्षित बॉन्ड और डिबेंचर तथा जमा राशि में ट्रस्ट के निवेश पर लागू नहीं होगी।

1. योजना के प्रावधानों पर आधारित प्रस्ताव दस्तावेज में किए गए संशोधनों को कार्यकारिणी समिति और सेवा के पूर्व अनुमोदन के साथ प्रभावी किया जा सकता है।

12. योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान की समाप्ति

(क) 2. योजना और उसके अंतर्गत बना प्लान अंततः 31-12-1999 को समाप्त होगा।

सदस्यों के वकाया यूनिटों की पुनर्खरीद की जाएगी और सदस्यों को उनके यूनिटों का मूल्य की अदायगी उक्त अवधि के दौरान अंतिम पुनर्खरीद के लिए निर्धारित पुनर्खरीद मूल्य पर की जाएगी।

निर्धारित अंतिम पुनर्खरीद मूल्य की प्राप्ति के अलावा बाद की किसी अवधि के लिए पुनर्खरीद मूल्य में वृद्धि या लाभों के रूप में किसी प्रकार का कोई अतिरिक्त लाभ उपचित नहीं होगा और ट्रस्ट द्वारा यथाशीघ्र विधिवत् रूप से भरे हुए पुनर्खरीद फार्म के साथ सदस्यता सूचना प्राप्त होने पर और अन्य प्रक्रिया और परिचालन संबंधी औपचारिकताएँ पूरी करने पर पुनर्खरीद मूल्य का भुगतान किया जाएगा। पुनर्खरीद के लिए प्राप्त सदस्यता सूचना और अन्य फार्म, यदि कोई हो, ट्रस्ट द्वारा रद्दकरण के लिए सुरक्षित रखे जाएंगे।

(ख) ट्रस्ट योजना और उसके अंतर्गत बनाए गए प्लान को ट्रस्ट निम्नलिखित परिस्थितियों में समाप्त कर सकता है :—

- (1) कोई ऐसी घटना घटित होने पर जिससे ट्रस्ट की राय में योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान की समाप्ति आवश्यक हो, या

- (2) यदि योजना के अंतर्गत जारी किए गए 75% यूनिटों का पुनर्क्रय/प्रतिदान किया जाता है।

(ग) जहाँ उपर्युक्त खंड (ख) के अधीन योजना की समाप्ति की जाती है, तो ट्रस्ट को उसकी सूचना सेवा को देनी होगी और अखिल भारतीय स्तर पर परिचालित होने वाले दो दैनिक समा-चार पत्रों में और बम्बई में एक स्थानीय भाषा के समाचार पत्र में देनी होगी।

13. योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान की प्रति उपलब्ध कराई जाएगी

योजना और इसके अंतर्गत बने प्लान की प्रतिलिपि सभी संशो-धनों सहित पूरे कार्य-समय के दौरान ट्रस्ट के कार्यालयों में निरी-क्षण के लिए उपलब्ध रहेगी और किसी भी व्यक्ति को उसकी आपूर्ति की जाएगी।

14. उपबंधों के अर्थ निर्धारण का अधिकार

योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के किसी भी उपबंध की व्याख्या में कोई संदेह उत्पन्न होने पर केवल अध्यक्ष और यदि उस समय बोर्ड अध्यक्ष नियुक्त न हो, तो कार्यपालक न्यासी को योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के उपबंधों के अर्थ निर्धारण का अधिकार होगा। ऐसा अर्थ किसी भी रूप में प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला या योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान की मूल

1. 20-10-1994 को शामिल किया गया।

2. योजना और उसके अंतर्गत बना प्लान अंततः उस तारीख को समाप्त होगा जो अध्यक्ष द्वारा तय की जाएगी। यह योजना और उसके तहत बनाए गए प्लान के यूनिटों की बिक्री की समाप्ति की तारीख पर निर्भर करेगी। पुनर्निवेश वकालियकों के मामलों में, योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के पूर्णतः समाप्ति 30-11-1999 को होगी के स्थान पर 20-10-1994 को शामिल किया गया।

संरचना के विपरीत नहीं होगा तथा ऐसा निर्णय निश्चायक, बाध्यकारी और अंतिम होगा।

इसके अंतर्गत बने योजना के प्रावधान और प्लान के प्रावधान, जैसे योजना में कहा गया है, एक दूसरे के साथ पढ़ा जाए।

15. उपबंधों में ढील/परिवर्तन/संशोधन

केवल अध्यक्ष और यदि कोई अध्यक्ष नियुक्त न हो तो ट्रस्ट का कार्यपालक न्यासी कठिनाइयों को कम करने के उद्देश्य से या योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के निबंध और सहज संचालन के लिए योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के किसी भी उपबंध में ढील दे सकता है, परिवर्तित या संशोधन कर सकता है, बशर्ते किसी सदस्य या सदस्य वर्ग के लिए ऐसा करना समीचीन हो।

16. योजना और उसके अंतर्गत बना प्लान सदस्यों के लिए बाध्यकारी होगा

इस योजना और इसके अंतर्गत बने प्लान को शर्तों के साथ समय-समय पर इनमें किए गए संशोधन और परिवर्तन प्रत्येक सदस्य और उसके माध्यम से दावा करने वाले हर एक अन्य व्यक्ति के लिए इस प्रकार बाध्यकारी होंगे। मानो वह योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के उपबंधों में अंतर्विष्ट किसी विपरीत बात के बावजूद ऐसा करने के लिए बाध्य हो।

17. सदस्यों को लाभ

योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान की समाप्ति के समय पूंजी, प्रारक्षित निधि और अधिक राशि को संबंध में योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान में उपरिचित सभी लाभ केवल उन्हीं सदस्यों को प्राप्त होंगे जो योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान की समाप्ति तक पूरी अवधि के लिए यूनिट के धारक रहे हों।

मासिक अक्ष प्लान 1994 (3) [एमआइसी' 94 (3)] के उपबंध

1. परिभाषाएं

शब्द (जो) प्लान में परिभाषित नहीं किए गए हैं तथा योजना और अधिनियम/विनियमों में परिभाषित किए गए हैं उनके अपने-अपने अर्थ योजना/अधिनियम/विनियमों में दिए गए अर्थ हैं।

2. प्रत्येक यूनिट का अंकित मूल्य

इस योजना के अंतर्गत जारी प्रत्येक यूनिट का मूल्य दस रुपए होगा।

3. यूनिटों के लिए आवेदन

(1) यूनिटों के लिए आवेदन केवल निवासियों द्वारा किए जा सकते हैं, जैसे

(क) व्यक्ति, एकल या अन्य व्यक्ति के साथ संयुक्त रूप में/उत्तरजीवी आधार पर।

(ख) माता-पिता, सौतेले माता-पिता या नाबालिग निवासी की ओर से अन्य विधिक अभिभावक। बालिग और नाबालिग संयुक्त रूप से आवेदन नहीं कर सकता।

(ग) योजना में यथापरिभाषित पत्र संस्था, जिसमें अप्रति-संहरणीय और लिखत द्वारा निर्मित निजी न्यास शामिल है।

(घ) मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिए कोई व्यक्ति।

(ङ) योजना में यथापरिभाषित कोई समिति।

(च) पंजीकृत सहकारी समिति।

(छ) कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 25 के अंतर्गत निर्मित बैंक और अलाभकारी कम्पनी सहित अन्य निर्गमित निकाय लेकिन कम्पनी अधिनियम 1956 के अंतर्गत पंजीकृत अन्य बैंक और कम्पनियां शामिल नहीं हैं।

(ज) हिन्दू अविभक्त परिवार।

(2) आवेदन ट्रस्ट के अध्यक्ष/कार्यपालक न्यासी द्वारा अनु-मोदित फार्म में किए जाएंगे।

4. न्यूनतम निवेश राशि

दोनों विकल्पों के अंतर्गत मासिक और संचयी आवेदन न्यूनतम 200 यूनिटों के लिए और उसके बाद 100 यूनिटों के गुणकों में किया जाएगा। कोई अधिकतम सीमा नहीं होगी।

5. एकत्र की जाने वाली न्यूनतम लक्ष्य राशि

योजना के अंतर्गत एकत्र की जाने वाली लक्ष्य राशि 100 करोड़ रुपए होगी। यदि लक्ष्य राशि के 60 प्रतिशत का अभिदान नहीं हो तो, ट्रस्ट को आदाता के खाता चैक/प्रत्यर्पण आदेश द्वारा योजना के अंतर्गत संग्रहीत पूरी राशि को यूनिटों की वित्तीय समाप्ति तिथि से छः हफ्तों या उसके पहले वापस करना होगा।

6. खर्चों पर सीमा

योजना के अंतर्गत एकत्र निधि का निर्गम पूर्व व्यय 6% से अधिक 1 नहीं होगा। 2। आरम्भिक निर्गम व्यय को छोड़कर संसाधन के दौरान योजना पर लगाया गया कुल व्यय औसत शुद्ध आस्ति मूल्य के 3% से अधिक नहीं होगा।

7. भुगतान विधि

(1) किसी आवेदक द्वारा आवेदित यूनिटों के लिए भुगतान आवेदन पत्र के साथ नकद, बैंक या ड्राफ्ट द्वारा किया जाएगा। जहां आवेदन यूटीआई के कार्यालयों में जमा किया जाए, वहां बैंक या ड्राफ्ट उसी शहर में स्थित बैंकों की शाखा पर आहरित किए जाएं, जिस शहर में स्थित कार्यालय में आवेदन किया जाए।

लेकिन जहां आवेदक ट्रस्ट के कार्यालय वाले स्थान से भिन्न स्थान पर आवेदन करना चाहे तो आवेदित यूनिट के लिए आवेदन पत्र के साथ दिये बैंक ड्राफ्ट के लिए दिये बैंक ड्राफ्ट भेजते हुए ऐसा कर सकता है।

(2) यदि भुगतान बैंक द्वारा किया जाए तो स्वीकृति तिथि ट्रस्ट या प्राधिकृत संग्रहण केन्द्र द्वारा बैंक प्राप्ति की तिथि होगी, बशर्ते बैंक की वसूली हो।

यदि भुगतान ड्राफ्ट द्वारा किया जाए तो स्वीकृति तिथि ऐसे ड्राफ्ट की निर्गम तिथि होगी, बशर्ते ड्राफ्ट की वसूली हो। लेकिन आवेदन ट्रस्ट द्वारा उपयुक्त समझे गए समय के भीतर ट्रस्ट या संग्रहण केन्द्र को प्राप्त हो जाए। यदि आवेदित यूनिट के लिए भुगतान की गई राशि आवेदित यूनिट के लिए दिये

1. 20-10-1994 को 'बिल्कुल नहीं होगा' के स्थान पर 'नहीं होगा' शामिल किया गया।

2. 20-10-1994 को शामिल किया गया।

के लिए भूगतान को गैर राशि आवेदन यूनिट के लिए दिये राशि से कम हो, तो आवेदक को उसकी ही कम संख्या में यूनिट जारी किए जाएंगे, जितने इस योजना के अंतर्गत किए जा सकेंगे। उसको दिये गए राशि ट्रस्ट द्वारा यथाशीघ्र वापस कर दी जाएगी।

(2) आवेदन स्वीकृत या अस्वीकृत करने का अधिकार ट्रस्ट का होगा :

ट्रस्ट को यह अधिकार होगा कि वह अपने विवेक पर योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान में यूनिट जारी करने के लिये आवेदन स्वीकृत और/या अस्वीकृत कर सके। योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान में आवेदन करने के संबंध में किसी व्यक्ति की पात्रता या अन्यथा के बारे में ट्रस्ट का निर्णय अंतिम होगा।

अपूर्ण आवेदन अस्वीकृत किये जा सकते हैं।

आवेदन अपूर्ण पाये जाने पर, अस्वीकृत कर दिया जाएगा और अपेक्षित परिचालनगत और प्रक्रियागत औपचारिकताएँ पूरी होने पर बिना किसी व्याज या अन्य राशि को, चाहें जो भी हो, आवेदन राशि ट्रस्ट द्वारा यथाशीघ्र वापस कर दी जाएगी।

(3) यूनिट जारी होने के पहले आवेदक के लिये योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान में संबंधित अपेक्षाओं को पूरा करना होगा :

योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान में यूनिट के लिए आवेदन करने वाले व्यक्तियों को, आवेदन करने की अपनी पात्रता के बारे में ट्रस्ट को संतुष्ट करना होगा और ट्रस्ट का सभी अपेक्षाओं को पूरा करना होगा। एसी अपेक्षाएँ पूरे करने या नहीं करने के प्रति ट्रस्ट की संतुष्टि उसके अपने विवेक पर निर्भर होगी। गलत घोषणा करके यूनिट रखने वाले व्यक्ति अपनी सदस्यता के निरस्तकरण के लिये जिम्मेदार होगा और उसका नाम सदस्यों की पंजी से कट दिया जाएगा। ट्रस्ट को अधिकार होगा कि वह एसी स्थिति में समसूच्य पर योजना की पुनर्बीड करे और गलती में भुगतान किये गये आय वितरण की दम्ती पुनर्बीड राशि से करे और योग वापस कर दे। पुनर्बीड करने और आवेदक को पुनर्बीड राशि भेजने में ट्रस्ट को जो भी समय लगेगा उसके लिये राशि पर कोई अंश दिये नहीं होगा।

8. यूनिटों की बिक्री :

पेशकश की अवधि के दौरान यूनिटों की बिक्री मुख्य समसूच्य पर होगी। ट्रस्ट द्वारा यूनिट की बिक्री संविदा, स्वीकृत निर्धार को पूरी हुई समझी जाएगी। बिक्री संविदा पूर्ण होने पर ट्रस्ट यथाशीघ्र आवेदक को सदस्यता सूचना जारी करेगा। जो इस बात का भाव्य होगा कि योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान में सदस्य के रूप में स्वीकार कर लिया गया है। ट्रस्ट द्वारा पात्र संस्था और निर्गमित निता की जारी सदस्यता सूचना पात्र संस्था/निर्गमित निता के नाम में होगी। निर्गमित सदस्यता सूचना के हो जाने, क्षतिग्रस्त हो जाने, गलत/व्यक्तिगत या डिलिवरी नहीं होने का कोई दायित्व ट्रस्ट पर नहीं होगा। ट्रस्ट को प्लान के अंतर्गत यूनिटों की बिक्री की मर्यादित तिथि में 10 हफ्तों के भीतर सदस्यता सूचना भेजने की प्रत्या-

करना होगा या ट्रस्ट द्वारा यथानिर्णय संवी में परामर्श कर समय अर्थात् बढ़ाएगा।

9. यूनिट की पुनर्बीड :

(1) अवसूच्य अवधि एक वर्ष (अर्थात् 31 दिसम्बर 1995 तक) की होगी। योजना और उसके अंतर्गत बनाए प्लान के अंतर्गत धारित यूनिटों की पहल वर्ष के दौरान कोई प्लान गैर नहीं की जाएगी।

(2) मासिक आय वितरण :

ट्रस्ट प्लान के अंतर्गत यूनिट धारण के दूसरे वर्ष से पुनर्बीड के लिए यूनिटों को पेशकश करेगा। पुनर्बीड समय-समय पर घोषित एनएवी आधार पर की जाएगी। पुनर्बीड मुख्य परिकल्पित करते समय ट्रस्ट को प्रशासकीय व्यय और अन्य प्रभाव, जो प्रति यूनिट एनएवी को 7% से अधिक न हों, को कटौती करने का अधिकार होगा।

समयक रूप से भरा गया पुनर्बीड पत्र के साथ सदस्यता सूचना प्राप्त होने पर पुनर्बीड की जाएगी। सूचना में अंकित सभी यूनिट पुनर्बीड के लिए पेश किए जाने चाहिए। यूनिट की आंशिक पुनर्बीड की अनुमति नहीं दी जाएगी। पुनर्बीड के लिये आवेदन करते समय सदस्य को पुनर्बीड माह तक के दम्ते हुए योग अदत्त आय वितरण वारंट ट्रस्ट को सौंपने होंगे।

ट्रस्ट पुनर्बीड पत्र सहित सदस्यता सूचना प्राप्त होने पर भुकी गहीने के लिये यूनिट पर आय वितरण का भुगतान करने के लिए बाध्य नहीं होगा और न ही पुनर्बीड की प्राप्ति पर कोई न्याय दिये होगा। प्राप्त सभी दस्तावेज और अदत्त आय वितरण वारंट, यदि हों, निरस्तकरण के लिये ट्रस्ट द्वारा रख लिये जाएंगे।

(3) पूर्ववर्ती उप-खण्डों में उल्लिखित किसी बात के बावजूद ट्रस्ट यूनिट की पुनर्बीड करने समय, सदस्य द्वारा उस समय तक बकाया आय वितरण वारंट की भाविष्य में दिये राशि पुनर्बीड मुख्य में छटाकर सदस्य को योग राशि का भुगतान करने के लिये स्वतंत्र होगा। ट्रस्ट को सदस्यता सूचना और पुनर्बीड पत्र प्राप्त हो जाने के बाद सदस्य को स्वीकृति माह के आय वितरण सहित भावी आय वितरण प्राप्त करने का अधिकार नहीं रह जायगा और ऐसे बकाया आय वितरण की राशि का दावदार ट्रस्ट होगा।

(4) मासिक आधार पर प्रदत्त पूरे वर्ष के आय वितरण के हकदार सदस्य को यूनिट पूरा वर्ष तक रखने होंगे। वर्ष के किसी भाग के लिये यूनिट रखने वाला सदस्य केवल धारण अवधि के लिये, जो हमेशा पूर्ण अगली कैलेंडर मास की होगी, अनुपातिक आय वितरण प्राप्त करने का हकदार होगा और माह के भाग को, चाहें वह किसी भी दिन का क्यों न हो, हमेशा छाड़ दिया जाएगा।

(5) सदस्य की मृत्यु हो जाने की स्थिति में योग प्राप्तिवादा या नामनि द्वारा सदस्यता सूचना, पुनर्बीड पत्र और बकाया अदत्त आय वितरण वारंट ट्रस्ट को सौंप जाने के बाद वह (दम्ते) दम्ते की मान्यता संबंधी निर्धारित आवश्यकता पूरी होने पर

6-20-10-04 का निर्धारित किया गया।

अपने नियमों और दिशा-निर्देशों के अनुसार इसमें ऊपर उल्लिखित (2) और (3) में यथावर्णित रूप में यूनिट की पुनर्खरीद करेगा और दावे की निपटान तिथि तक के बकाया मासिक आय वितरण का अनुपातिक भुगतान करेगा।

(6) ट्रस्ट द्वारा कटाती, यदि हो, करने के बाद पुनर्खरीदी गए यूनिटों के लिये भुगतान स्वीकृत तिथि के बाद यथाशीघ्र आवेदक द्वारा आवेदन पत्र में यथालिखित रीति से किया जायेगा। आवेदक को देय राशि पर किसी भी कारण से कोई ब्याज देय नहीं होगा तथा ट्रस्ट द्वारा प्रेषित चेक या ड्राफ्ट का प्रेषण (डाक खर्च सहित) या वसूली खर्च आवेदक द्वारा वहन किया जाएगा।

(7) संचयी विकल्प :

संचयी विकल्प के अंतर्गत जारी यूनिटों के मामले में ट्रस्ट प्लान के अंतर्गत यूनिट धारण के दूसरे वर्ष से यूनिटों के पुनर्खरीद की प्रेरणा करेगा। पुनर्खरीद मूल्य समय-समय पर घोषित एनएवी आधार पर होगा। पुनर्खरीद मूल्य परिकलित करते समय ट्रस्ट प्रति यूनिट एनएवी के 7% तक प्रशासकीय व्यय और अन्य प्रभार काटने के लिए स्वतंत्र होगा।

आंशिक पुनर्खरीद की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(8) पुनर्खरीद किए गए यूनिटों को पुनः जारी नहीं किया जाएगा।

(9) पुनर्खरीद मूल्य के परिकलन का आधार यथासमय सेबी द्वारा निर्धारित विनियम, दिशा-निर्देशों के अधीन होगा।

10. यूनिट की पुनर्खरीद पर प्रतिबंध :

योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के किसी भी उपबंध में अंतर्विष्ट किसी बात के बावजूद ट्रस्ट यूनिट की पुनर्खरीद के लिए बाध्य नहीं होगा।

(1) ऐसे दिन, जो कार्य दिवस नहीं हों; और

(2) ऐसी अवधि में जब बही और लेखों की वार्षिक बन्दी (ट्रस्ट द्वारा यथाधिसूचित) के संबंध में सदस्यों की पंजी बन्दी हो।

स्पष्टीकरण :

इस योजना और इसके अंतर्गत बने प्लान के प्रयोजनार्थ शब्द "कार्य दिवस" का अर्थ वह दिन है, जो न तो

(1) महाराष्ट्र राज्य या ऐसे अन्य राज्यों में, जहां ट्रस्ट के कार्यालय हों, सार्वजनिक अवकाश के रूप में परक्राम्य लिखित अधिनियम 1881 के अंतर्गत अधिसूचित हो और न ही।

(2) भारत के राजपत्र में ट्रस्ट द्वारा ऐसे दिवस के रूप में अधिसूचित किया गया हो कि ट्रस्ट का कार्यालय बंद रहेगा।

11. अंतिम पुनर्खरीद मूल्य का प्रकाशन :

योजना के उपबंधों में खण्ड 12 में यथा उपबंधित रीति से योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान की समाप्ति पर ट्रस्ट अंतिम पुनर्खरीद मूल्य के निर्धारण के बाद यथाशीघ्र ऐसी रीति से, जिसे वह उचित समझे, अंतिम पुनर्खरीद मूल्य को प्रकाशित करेगा।

12. शुद्ध आस्ति मूल्य (एनएवी) का निर्धारण

प्लान के शुद्ध आस्ति मूल्य का परिकलन योजना के आस्ति मूल्य का निर्धारण और प्रोद्भवन और उपबंधों को ध्यान में रखते हुए योजना की दक्षताओं को घटाकर किया जाएगा। प्रति यूनिट शुद्ध आस्ति मूल्य का परिकलन प्लान के एनएवी से जारी यूनिटों की कुल और उस तिथि को बकाया यूनिटों की संख्या से भाग कर किया जाएगा। कम से कम दो दैनिक समाचार पत्रों में तीन महीनों के अंतराल या सेबी द्वारा अनुशेदित अंतराल पर एनएवी का प्रकाशन किया जाएगा। एनएवी का मूल्यांकन सेबी द्वारा यथासमय निर्धारित विनियमों और दिशा-निर्देशों के अधीन किया जाएगा।

13. सदस्यता सूचना :

योजना और इसके अंतर्गत बने प्लान में जारी यूनिटों की सदस्यता के संबंध में किसी सदस्य को यूनिट/सदस्यता प्रमाणपत्र जारी नहीं किया जाएगा। उनको सदस्यता सूचना दी जायगी, जो योजना और इसके अंतर्गत बने प्लान में सदस्य के रूप में स्वीकृति का साक्ष्य होगा।

14. सदस्यता सूचना तैयार करने की रीति :

सदस्यता सूचना इसके साथ संलग्न फार्म "ए" के अनुसार होगी।

15. सदस्यता सूचना का विनियम और उसके कट-फट जाने, विरूपित हो जाने, खो जाने आदि की स्थिति में प्रक्रिया :

योजना और इसके अंतर्गत बने प्लान में सदस्य उक्त प्रयोजनार्थ ऐसे नियमों/दिशा-निर्देशों/प्रक्रियाओं का पालन करेंगे और ऐसे दस्तावेजों का निष्पादन करेंगे, जो समय-समय पर ट्रस्ट द्वारा बनाये जाएंगे/अपेक्षित होंगे।

16. सदस्यों की पंजी :

सदस्यों के पंजीकरण के संबंध में निम्नलिखित उपबंध लागू होंगे :

(1) ट्रस्ट द्वारा सदस्यों की पंजी रखी जाएगी और अन्य बातों के साथ-साथ पंजी में निम्नलिखित दर्ज किए जाएंगे;

(क) सदस्यों के नाम और पते;

(ख) सदस्यता सूचना की संख्या और हर एक ऐसे व्यक्ति द्वारा धारित यूनिटों की संख्या; और

(ग) जिस तिथि को ऐसा व्यक्ति अपने नाम के यूनिटों का धारक हो गया।

(2) सदस्य की ओर से उसके नाम और पते के परिवर्तन की सूचना ट्रस्ट को दी जाएगी। ट्रस्ट ऐसे परिवर्तन से संतुष्ट होने पर और यथापेक्षित औपचारिकताएं पूरी करने पर तदनसार पंजी में परिवर्तन करेगा। किसी अन्य व्यक्ति, जो मनसिद्ध रूप से विकलांग हो, के लाभ के लिये यूनिटों हेतु आवेदन करने वाले आवेदक की मृत्यु के परिणामस्वरूप होने वाले परिवर्तन की प्रविष्टि पंजी में तदनसार की जाएगी।

(3) केवल पंजी "बन्दी" को छोड़कर, इसमें इसके बाद अंतर्विष्ट उपबंधों के अनुसार कार्य-साग रहे रहेंगे।

(ट्रस्ट द्वारा यथाविधि स्थापित समुचित प्रतिबंधों को साथ प्रत्येक कार्य दिवस को नान्तम दो घंटे के लिये पंजी के निरीक्षण को अनुमति दी जाएगी) सदस्य के निःशुल्क निरीक्षण के लिए पंजी खुली रहेगी।

(4) ट्रस्ट द्वारा समय-समय पर यथाविधि स्थापित समय और अवधि के लिए पंजी बन्द रहेगी, लेकिन एक वर्ष में 60 दिन से अधिक समय के लिये बन्द नहीं रहेगी। ट्रस्ट समाचार पत्रों में या अन्य माध्यम से विज्ञापन द्वारा ऐसी कड़ी की सूचना देगा।

(5) किसी यूनिट में संबंधित कोई स्पष्ट निहित और रचनात्मक सूचना पंजी में दर्ज नहीं की जाएगी।

17. पात्र संस्थाओं, नाबालिगों और मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति आदि के लाभ के लिये किसी आवेदक का आवेदन और पंजीकरण :

(1) पात्र संस्थाएं निर्गमित निःशाय और समितियों (सहकारी समितियों के साथ) सदस्य के रूप में पंजीकृत की जाएगी।

(2) कोई भी व्यक्ति, जो किसी नाबालिग का माता-पिता हो, सौतेला माता-पिता हो या निधिक अभिभावक हो, अधिनियम की धारा 21 की उपधारा (2) के अनुसार और उपबंधित सीमा तक यूनिट रख सकता है और क्रय-विक्रय कर सकता है। अपेक्षाकृत ऐसा व्यक्ति ट्रस्ट द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से नाबालिग की उस और नाबालिग की ओर से यूनिट रखने तथा क्रय-विक्रय करने की क्षमता का प्रमाणपत्र ट्रस्ट के समक्ष पेश करेगा। ट्रस्ट आवेदन में ऐसे व्यक्ति द्वारा किए गए कथन के अनुसार बिना किसी अनिवार्य प्रमाणपत्र के ट्रस्ट को कार्य करने का अधिकार होगा।

(3) जहां किसी अन्य व्यक्ति, जो मानसिक रूप से विकलांग है, के लाभ के लिये किसी व्यक्ति द्वारा आवेदन किया जाए जहां ट्रस्ट प्रस्तुत कथन और प्रमाणपत्र के आधार पर कार्य करेगा और ऐसा करने में यह समझ जाएगा कि ट्रस्ट सदभावपूर्वक कार्य कर रहा है। ट्रस्ट को हक होगा कि वह केवल आवेदक के साथ व्यवहार करे और उसकी मृत्यु की स्थिति में सभी ध्यावहारिक प्रयोजनों के लिए वैकल्पिक आवेदक के साथ व्यवहार करे तथा उक्त आवेदक या वैकल्पिक आवेदक को ट्रस्ट द्वारा यूनिट के संबंध में किया गया भगतान ट्रस्ट के लिए सही उम्मीदन माना जाएगा।

(4) पात्र संस्थाओं, निर्गमित निःशाय या समितियों से जब किसी अपेक्षा की जाएगी, उन्हें यह सब निवेश करने की आवेदन की क्षमता से संबंधित सभी संबंधित दस्तावेज, जैसे संस्था के अंतर्निष्ठ और विनिर्दिष्ट उप-निधियों आदि-प्रबंधन निकाय द्वारा पारित संकल्प की प्राधिकृत प्रति और अपेक्षाकृत सम्पूर्णता की प्रति ट्रस्ट के समक्ष पेश करनी होगी।

18. ट्रस्ट के उम्मीदन करने के लिये सदस्य द्वारा रगोद :

योजना और उसके अंतर्गत दत्त प्लान के यंत्रों के संबंध में सदस्य को प्रदत्त राशि के लिए उसके द्वारा दी गई रसीद ट्रस्ट के प्लान अन्तर्गत उम्मीदन होगा।

19. सदस्यों द्वारा नामांकन :

(1) एकल या संयुक्त रूप से यूनिट रखने वाले दो सदस्य विनिर्देशों से उपबंधित सीमा तक नामांकन करने या निरस्त करने के अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं।

(2) सदस्यों को, जो माता-पिता द्वारा निर्गमित नाबालिग की ओर से निधिक अभिभावक तथा पात्र संस्था, समिति, निर्गमित निःशाय और मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिए यूनिट हेतु आवेदन करने वाले आवेदक को नामांकन करने का अधिकार नहीं होगा।

20. सदस्य की मृत्यु या दिवानियापन :

(1) यूनिट के संयुक्त सदस्यों में किसी एक की मृत्यु हो जाने पर ट्रस्ट द्वारा जीवित व्यक्ति को ही योजना और उसके अंतर्गत दत्त प्लान के यूनिटों के हकदार होने या उनके हिस्से-धिकारी होने की मान्यता दी जाएगी। लेकिन इससे अंतर्गत कोई भी बात उक्त यूनिटों के संबंध में ऐसे जीवित व्यक्ति के विरुद्ध किसी अन्य व्यक्ति को किसी अधिकार को प्रभावित नहीं करेगी।

(2) किसी एकल सदस्य की मृत्यु की स्थिति में ट्रस्ट यूनिट के संबंध में और ट्रस्ट द्वारा दत्त राशि के हकदार व्यक्ति के रूप में ट्रस्ट द्वारा मान्यता दी जाएगी।

(3) किसी एकल सदस्य द्वारा दी गई बड़ी राशि को स्थिति में मृत व्यक्ति का निष्पादक या प्रशासक या भागीदार उत्तराधिकार अधिनियम 1925 (1925 का 39) के भाग 10 के अंतर्गत जारी उत्तराधिकार प्रमाणपत्र की धारता ही वह व्यक्ति होगा, जिसे यूनिट के हकदार के रूप में ट्रस्ट द्वारा मान्यता दी जा सकती है।

(4) किसी सदस्य की मृत्यु या दिवानियापन के परिणाम-स्वरूप यूनिट के हकदार हो जाने वाले व्यक्ति को, ट्रस्ट द्वारा उसके हक के लिए पर्याप्त समझें गये साक्ष्य के प्रस्तुतीकरण के बाद तथा आवेदक द्वारा दावा संबंधी सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद मृत व्यक्ति के खाते में जमा सभी यूनिटों के पुनर्खरीद मूल्य का भुगतान किया जाएगा।

(5) यदि एकमात्र नामित यूनिट रखने का पात्र है तो उक्त नामित अपनी इच्छा के अनुसार मृत व्यक्ति के खाते में जमा सभी यूनिटों का पुनर्खरीद मूल्य प्राप्त करने के बदले उसका सदस्य के रूप में यूनिट रखने और पंजीकृत सदस्य के रूप में बने रहने की अनुमति दी जाएगी तथा जितने यूनिट वह रखना चाहेगा, न्यूनतम यूनिट रखने की शर्तों पर उक्त यूनिटों का उल्लेख करने हुए उसके नाम से सदस्यता प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा।

(6) जिस आवेदक ने मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिये यूनिट हेतु आवेदन किया है, उसकी मृत्यु हो जाने की स्थिति में ट्रस्ट वैकल्पिक आवेदक के साथ व्यवहार करेगा, माने वही आवेदक हो, यथास्थिति आवेदक या वैकल्पिक आवेदक की मृत्यु की स्थिति में योजना आवेदक या वैकल्पिक आवेदक के रूप में किसी अन्य व्यक्ति को नियुक्त करेगा।

अवरुद्ध अवधि में एकल सदस्य की मृत्यु की स्थिति में ट्रस्ट आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद दावे या निपटान करेगा और संबंधित खण्ड में दिये गये और के अनुसार या ट्रस्ट द्वारा यथाविधि स्थापित अन्य रीति से कागजी वारिस/नामित को भुगतान करेगा।

21. आय वितरण :

(1) सदस्य को मासिक आय वित्तिय या संतरी छिकल्प से भाग देने के विकल्प का प्रयोग करने का अधिकार होगा। यह योजना में निवेश के समय किया जाएगा और एक बार दिया गया

विकल्प उपलब्ध होगा। आवेदक द्वारा प्रयोग किए गए किसी निविष्ट विकल्प के अभाव के दौरान उसे मासिक आय विकल्प समझा जाएगा।

मासिक आय विकल्प :

1. 12% प्रति वर्ष की दर से लाभांश प्रथम वर्ष के दौरान मासिक आधार पर दिये होंगे। प्लान के निवेश उद्देश्यों एवं नीतियों तथा प्लान की निधियों का जिनसे निवेश किया गया है उन लिखतों से संभावित प्राप्तियों के आधार पर प्लान निवेशकों को प्रथम वर्ष के दौरान प्रतिमास 12% प्रतिवर्ष की दर से लाभांश अदा करने के लिए पर्याप्त आय उत्पन्न करने में सक्षम होगा। प्रत्येक अनुवर्ती वर्ष के लिए लाभांश दर योजना की आय और अन्य प्रासंगिक घटकों के आधार पर निर्धारित की जाएगी और इसे पूर्ववर्ती वर्ष के अंत में घोषित किया जाएगा तथा प्रतिमास अदा किया जाएगा। एक पूरे वर्ष के लिए उत्तर दिनांकित वारंट निवेशकों को प्रति वर्ष भेजे दिए जाएंगे।]

(2) प्रत्येक मास के लिये आय वितरण अगले महीने के प्रारंभ में दिये होंगे और पूर्व भुगतान व्यवस्था के अंतर्गत ट्रस्ट द्वारा भुगतान ट्रस्ट द्वारा विनिविष्ट बैंक की शाखाओं पर सममूल्य पर दिये आय वितरण वारंट या लिखित को माध्यम से किया जाएगा।

ऐसे यूनिट जिनकी बिक्री किसी महीने की 15 तारीख को या उसके पहले ट्रस्ट द्वारा स्वीकृत आवेदन के अंतर्गत की जा चुकी है, पूरे महीने के आय वितरण के पात्र होंगे और जो यूनिट महीने की 15 तारीख के बाद बचे गए हों वे उस आधे महीने के आय वितरण के पात्र होंगे।

2. लाभांश की हकदारी निम्न रूप में होगी :

10-11-1994 से 15-11-1994—पूरे महीने का लाभांश

16-11-1994 से 30-11-1994—आधे महीने का लाभांश

1. 13% प्रति वर्ष की दर से लाभांश प्रथम वर्ष के दौरान मासिक आधार पर दिये होंगे। प्रत्येक अनुवर्ती वर्ष के लिए लाभांश दर योजना की आय और अन्य प्रासंगिक घटकों पर निर्धारित की जाएगी और पूर्ववर्ती वर्ष के अंत में घोषित की जाएगी तथा निवेशकों को एक पूरे वर्ष के लिए उत्तर दिनांकित वारंट भेजे जाएंगे। अनुवर्ती वर्षों के लिए लाभांश का भुगतान मासिक आधार पर किया जाएगा के स्थान पर 20-10-94 को शामिल किया गया।

2. पुनर्निवेश वैकल्पिकों के लिए लाभांश की हकदारी निम्न रूप में होगी :

01-11-1994 से 15-11-1994—पूरे महीने का लाभांश

16-11-1994 से 30-11-1994—आधे महीने का लाभांश

यदि कोई आवेदक संचयी विकल्प अपनाता है तो अध्यक्ष द्वारा यथानिर्णीत अवधि के लिये एक समेकित वारंट का भुगतान किया जाएगा। पुनर्निवेश वैकल्पिकों के लिए भुगतान 30 नवम्बर 1994 तक की अवधि के लिए किया जाएगा के स्थान पर 20-10-94 को शामिल किया गया।

1-12-1994 से 7-12-1994—पूरे महीने का लाभांश

यदि आवेदक संचयी विकल्प का चयन करता है तो उस स्थिति में 31 दिसम्बर 1994 तक की अवधि के लिए एक समेकित वारंट दिये होंगे।]

3. [बशर्ते 31 मार्च 1995 की समाप्ति होने वाली अवधि के लिए लाभांश एक आय वितरण वारंट द्वारा भेजा जाएगा तथा उसके साथ 31 दिसम्बर 1995 तक की अवधि के लिए सदस्य को 9 उत्तर दिनांकित आय वितरण वारंटों के साथ अशेषित किया जाएगा।]

सदस्यों दूसरे, तीसरे, चौथे और पांचवें वर्ष के लिए आय वितरण एक समय में एक वर्ष के लिए अग्रिम भेजा जाएगा।

लेकिन ट्रस्ट द्वारा यथानिर्धारित रीति से और अवधि के लिये ऐसे सदस्यों के लिये, जिन पर लागू होगा, उत्तर दिनांकित आय वितरण वारंट भेजने का ट्रस्ट का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

(4) उप खण्ड (3) के उपबन्ध के अनुसार मासिक आधार पर आय वितरण के भुगतान के लिए वारंट 5 लाट में भेजे जाएंगे और वारंट को इस प्रकार विनांकित किया जाएगा कि सदस्य भुगतान के लिए परिपक्व होने पर प्रत्येक वारंट को भुना सके। हर एक वारंट तीन महीने के लिए वैध रहेगा।

वैध अवधि पूरी होने के पहले सदस्य के पास कोई वारंट नहीं पहुँचने या उनके पुराने हो जाने की स्थिति में ट्रस्ट ब्याज का भुगतान करने के लिए बाध्य नहीं होगा।

(5) पुनर्चरीदी की स्थिति में, जो हमेशा पूर्णता में होगी, अवलत वारंट की संपूर्णता नहीं करने पर सदस्य अगले महीने दिये और परिपक्वता तिथि को सदस्य की अभिरक्षा में शेष वारंटों को भुनाने का हकदार होगा और ऐसे आय वितरण वारंट की राशि पुनर्चरीदी की राशि से काट ली जाएगी।

(6) सदस्य की मृत्यु की स्थिति में, यदि एकमात्र नामित यूनिट रखने का पात्र है और आगे भी यूनिट रखना चाहता है, तो ऐसा एकमात्र नामित आवेदक सभार के लिए भागी महीने के अनभुनाए सभी वारंट वापस करने के लिए बाध्य होगा। लेकिन आगे यूनिट रखने के इच्छुक नामित मर सदस्य के पक्ष में पहले से जारी वारंट को सभार करके नये प्रविष्ट सदस्य के पक्ष में करने में लगने वाले समय के लिए कोई ब्याज या प्रतिकर प्राप्त करने का हकदार नहीं होगा।

(7) किसी आवेदक की मृत्यु की स्थिति में, जहाँ सम्पत्तिक रूप से विकलांग किसी व्यक्ति के लाभ के लिये आवेदक द्वारा किया जाय, बर्बाद वैकल्पिक आवेदक को आवेदक सभार के लिये भागी महीने के अनभुनाए सभी आय वितरण वारंट वापस करने

3. [बशर्ते प्रथम छः मास का आय वितरण एक आय वितरण वारंट के द्वारा किया जाएगा और सदस्य को उसके साथ छः मास के लिए 6 उत्तर दिनांकित आय वितरण वारंट भेजे जाएंगे।]

पुनर्निवेश वैकल्पिकों के लिए 31 मई 1995 को सम्पन्न अवधि के लिए आय वितरण 1 मार्च 1995 के एक आय वितरण वारंट द्वारा किया जाएगा और सदस्य को 20 नवम्बर 1994 तक के महीने के लिए 6 उत्तर दिनांकित आय वितरण वारंटों के साथ भेजा जाएगा के स्थान पर 20-10-94 को शामिल किया गया।

होंगे। लेकिन ऐसा धैर्यपूर्ण आवेदक मृत आवेदक के पक्ष में पहले से जारी वारंट को सुधार करके नये प्रविष्ट आवेदक के पक्ष में करने में लगने वाले समय के लिये कोई ख्याज या और प्रतिकार प्राप्त करने का हकदार नहीं होगा।

(8) पूर्ववर्ती उपखण्ड में अंतर्विष्ट किसी बान के बावजूद यथा-स्थिति, तिमाही, छःमाही या वार्षिक आधार पर आय वितरण करने, चाहे व्यय औषिष्य, सदस्यों के हित या अन्य परि-स्थितियों के कारण ट्रस्ट के लिये ऐसा करना आवश्यक हो जाए, का ट्रस्ट का अधिकार सुरक्षित रहेगा। ऐसी स्थिति में ट्रस्ट अंग्रेजी भाषा के दो प्रमुख वैज्ञानिक समाचार पत्रों में प्रकाशन द्वारा सदस्यों को सूचित करेगा। ट्रस्ट द्वारा ऐसी सूचना देने के बाद किसी भी सदस्य को मासिक आधार पर आय वितरण का दावा करने का अधिकार नहीं होगा।

संचयी विकल्प : संचयी विकल्प के अन्तर्गत कोई आय वितरण नहीं किया जाएगा।

फॉर्म ए

— चिन्ह —

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

मासिक आय यूनिट प्लान—1994 (3)

(खण्ड 14)

सदस्यता सूचना

मासिक आय यूनिट प्लान—1994 (3) [एमआईपी-94 (3)]
के अन्तर्गत बनाए गए मासिक आय यूनिट योजना—1994 (3)
[एमआईपीएस-94 (3)] के उपबन्धानुसार जारी :

अहस्तांतरणीय

सदस्यता सं.

यूनिटों को संख्या (अंकित मूल्य रु. 10/- प्रति यूनिट)

साक्षी का हस्ताक्षर

नाम :

पेशा :

पता :

केवल कार्यालय प्रयोग के लिए

स्वीकृत निधि

* जो शब्द लागू नहीं हों उसे काट दें।

** यदि सदस्य अंगूठे का निशान लगा रहा है, तो उसे दण्डाधिकारी/नीटरी/राज्य/केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधि-

सदस्य का नाम

पता

दूसरे सदस्य का नाम

कृते भारतीय यूनिट ट्रस्ट
आंचलिक प्रधान

स्थान :

तिथि :

एमआईपी-94 (3) को पुनर्खरीद करने के लिए आवेदन-पत्र

दिनांक :

प्रति,

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

मैं/हम, - - - - - भारतीय यूनिट ट्रस्ट
के मासिक आय यूनिट प्लान 1994 (3) [एमआईपी 94 (3)]
की सदस्यता सूचना सं. - - - - - में अंकित - - - - -
यूनिट के पंजीकृत सदस्य/उत्तरजीवी/नामिती/उत्तराधिकारी/मृत
सदस्य (यों) का (के) विधिक प्रतिनिधि हूँ/हैं और सदस्यता
सूचना में अंकित सभी उक्त यूनिट इस आवेदन पत्र की स्वीकृति
तिथि को प्रचलित मूल्य/ट्रस्ट द्वारा निर्धारित मूल्य पर ट्रस्ट को
बेचने का/के इच्छुक हूँ/हैं।

संबंधित सदस्यता सूचना संलग्न है।

यूनिटों का पुनर्खरीद मूल्य मुझे/हमें * बैंक/बैंक ड्राफ्ट द्वारा
नीचे दिए गए पते पर भेज दिया जाए।

* *

सदस्य(यों) का/के हस्ताक्षर/अंगूठा निशान

1.

2.

पता :

(गति सदस्य के हस्ताक्षर की शैली (स्टाइल) में
अंतर हो और उस बैंक द्वारा सत्यापित हो
तो ऐसे मामले में बैंक/मांग ड्राफ्ट रीधे बैंक को
भेज जाएंगे) बैंक का पता दिया जाना चाहिए।

साक्षात् मं.

कारी या आरबीआई/आईडीबीआई के अधिकारी द्वारा
अनुप्रमाणित किया जाना चाहिए।

RESERVE BANK OF INDIA
(DEPARTMENT OF FINANCIAL COMPANIES)
CENTRAL OFFICE

Calcutta-700 001, the 29th September 1994

NOTIFICATION

Notification No.DFC(COC) 77 ED(OPS)/94.—The Reserve Bank of India, having considered it necessary in the public interest and being satisfied that, for the purpose of enabling the Bank to regulate the credit system to the advantage of the country, it is necessary to amend the Non-Banking Financial Companies (Reserve Bank) Directions, 1977, hereby, in exercise of the powers conferred by Sections 45J, 45K and 45L of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) and all the powers enabling it in this behalf, direct that the said Directions contained in Notification No. DNBC 38/DG(H)-77 dated the 20th June 1977 shall, with immediate effect, stand amended in the following manner, namely,

1. In paragraph 5(2), sub-paragraph (D) shall be deleted.

2. In paragraph 12, after sub-paragraph (ii) and before the 'Explanation' a new sub-paragraph (iii) shall be inserted as follows viz.

"(iii) Notwithstanding anything contained in sub-paragraphs

(i) and (ii) above, on and from December 31, 1994, (A) every,

(i) hire purchase finance company,

(ii) equipment leasing company, and

(iii) non-banking financial company which is registered with the Reserve Bank and is not classified as an equipment leasing or a hire purchase finance company,

shall maintain in India,

(a) in account/s with scheduled bank/s (free from any charge or lien), or

(b) in unencumbered approved securities (such securities being valued at their market value for the time being), or

(c) partly in such account/s or partly in such securities, a sum which shall not at the close of business on any day be less than fifteen per cent of the deposits outstanding in the books of the company on that day. Provided that investments in Central/State Government securities and/or Government guaranteed bonds shall not at the close of business on any day be less than ten per cent of the deposits outstanding;

(B) every non-banking financial company, which is not registered with Reserve Bank and is not classified as a hire purchase finance company or an equipment leasing company, shall maintain in India in liquid assets as mentioned in sub-paragraph (A) above, a sum which shall not at the close of business on any day be less than seven and one-half per cent of the deposits outstanding in the books of the company on that day.

Provided that investments in Central/State Government securities and/or Government guaranteed bonds shall not at the close of business on any day be less than five per cent of the deposits outstanding"

O. P. SODHANI,
Executive Director

(DEPARTMENT OF BANKING OPERATIONS & DEVELOPMENT)

Bombay-400 005, 24th October 1994

Ref. DBOD. No. BC. 126/12.01.001/94-95.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Sub-section (7) of Section 42 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) the Reserve Bank of India hereby exempts with effect from the fortnight beginning October 29, 1994, every sche-

duled commercial bank, from the requirement under the proviso to sub-section (1) of the said Section 42, read with any Notification issued thereunder, of maintaining an average daily balance in excess of seven and half per cent of its deposit liabilities under the Foreign Currency (Non-Resident) Accounts (Banks) Scheme.

A. P. AIYER,
Executive Director

Ref. DBOD. No. BC. 127/12.02.001/94-95.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (2A) of Section 24 of Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) and in partial modification of its Notification DBOD. No. BC. 63/12.02.001/94 dated May 18, 1994, the Reserve Bank of India hereby specifies that with effect from the fortnight beginning October 29, 1994 every scheduled commercial bank other than a Regional Rural Bank, shall maintain in India assets in the form specified in Sub-section (2A) of Section 24 of the Act ibid at 31.50 per cent on the outstanding domestic net demand and time liabilities upto the level of such liabilities as on September 30, 1994 and at 25 per cent for any increase in such liabilities above the level as on September 30, 1994.

A. P. AIYER,
Executive Director

THE INSTITUTE OF COST AND WORKS ACCOUNTANTS OF INDIA

Calcutta-700 016, the 31st August 1994

No. 18-CWR(292)/94.—It is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of cost and Works Accountants of India has restored to the Register of Members, the name of Shri Narayanan Raman, MCOM, ACA, AICWA, 11, Third Street, Abhiramapuram, Madras-600 018 (Membership No. 4888), with effect from 6th August 1994.

S. R. ACHARYYA,
Secretary

The 14th September 1994

No. 11-CWR(144)/94.—In pursuance of sub-Regulation(3) of Regulation 11 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, it is hereby notified that the Certificate of Practice granted to Shri L. S. Prasad, BA (Hons), ACS, ACIS (LOND), FCMA (LOND), FICWA, 180B, Charu Chandra Place East, Calcutta-700 033, (Membership No. 863), is cancelled from 14th August, 1994 to 30th June 1995, at his own request.

S. R. ACHARYYA,
Secretary

The 25th October 1994

No. 16-CWR (1172-1175)/94.—In pursuance of Regulation 16 of the Cost and works Accountants Regulations, 1959, It hereby notified that in exercise of powers conferred by sub section (1) (a) of Section 20 of the Cost and Works Accountants Act, 1959, the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India has removed from the Register of Members, the names of (1) Shri S. B. Majumdar, BCOM (H), AICWA, 159, Shibtala Street, P. O. Bhadrakali, Dr. Hooghly (Membership No. 4193), with effect from 24th October 1992, (2) Shri P. K. Prabhudevi, BCOM (HONS), ACA, AICWA, 10, Bethania, College Lane, Dadar, Bombay-400 028 (Membership No. 5799), with effect from 9th December 1993, (3) Shri S. Jayaraman, BCOM, FICWA, Flat No. A/2, Vignesh Apartments, Macmillan Colony, 6th Main Road, Nanganallur, Madras-600 061, (Membership No. 730), with effect from 28th September 1993, (4) Shri G. D. Vaidya, BA, BSC, AICWA, Plot No. 37, Shrikrishna Nagar, Borivli East, Bombay-400 066 (Membership No. 95), with effect from 12th July 1993, on account of death.

S. R. ACHARYYA,
Secretary

No. 16-CWR(1156-1157)/94—In pursuance of Regulation 16 of the Cost and works Accountants Regulations, 1959, it is hereby notified that in exercise of powers conferred by sub-section(1) (b) of Section 20 of the Cost and works Accountants Act, 1959, the Council of the Institute of Cost and works Accountants of India has removed from the Register of Members, the names of (1) Shri P. D. Vaidya, MCOM, LLB, AICWA, 1/6, Jay Vijay Society, Ali Yaver Jung Mrg, Sahar, Bombay-400 099 (Membership No. 5390), with effect from 14th September 1994, at his own request and (2) Shri N. J. Trivedi, AICWA, 303, Dhanmora Complex, Adajan, Patia, Rander Road, Surat-395 009 (Membership No. 2575), with effect from 7th October 1994, at his own request.

S. R. ACHARYYA,
Secretary

No. 18-CWR(293-297)/94—It is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Cost and works Accountants Regulations, 1959, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India has restored to the Register of Members, the names of (1) Shri Dilip Kumar Roy, BA (Hons), AICWA, 7/43, Bijoygarh, Calcutta-700 032 (Membership No. 1860), with effect from 14th September 1994 (2) Shri Jayanta Bhattacharya, BCOM, ACA, AICWA, 633, Block 'O', New Alipore, Calcutta-700 053 (Membership No. 4071), with effect from 27th September 1994, (3) Shri S. Mukhopadhyay, BCOM, AICWA, K. G. 2, Flat No. 219, Vikaspuri, New Delhi-110 018 (Membership No. 1890), with effect from 27th September 1994, (4) Shri Gobind Lal Modi, MCOM, FCA, FICWA, Post Box 177, SAFAT 13002, Kuwait (Membership No. 3685), with effect from 30th September 1994 and (5) Shri N. D. Chandruka, BA, AICWA, A-4, Pundrik Vihar, Pitampura, Delhi-110 034 (Membership No. 1768), with effect from 30th September 1994.

S. R. ACHARYYA,
Secretary

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 1st November 1994

No. N-12/13/1/94-P&D : In exercise of the powers conferred by Section 97 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Employees' State Insurance Corporation hereby makes the following Regulations to amend the ESI (General) Regulations, 1950, the same having been previously published in the Gazette of India, Part-III, Section 4, dated 14-5-94 inviting suggestions/objections, if any, as required by Sub-Section (1) of the said Section, namely :—

1. (i) These Regulations may be called the ESI (General) (fourth amendment) Regulations, 1994
- (ii) These will come into force w.e.f. 1st September Nineteen hundred and Ninety four
2. The following amendments shall be made in Regulation 31-A :—

The words "interest at the rate of twelve per cent per annum" shall be substituted by the words "simple interest at the rate of fifteen per cent per annum".

BHAGWATI PRASAD,
Insurance Commissioner

New Delhi, the 1st November 1994

No. N-15/13/11/2/94-P&D : In pursuance of powers conferred by Section 46 (42) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1-11-1994 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Punjab Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1955, shall be extended to the families of

insured persons in the following area in the State of Punjab namely :—

"The areas comprising the revenue Village Tarf Kara Bara (Kata Bara) Had Bast No. 161 in Tehsil and District Ludhiana".

O. ABDUL HAMEED,
Director (P&D)

The 2nd November 1994

No. N-15/13/2/5/75-P&D : In pursuance of powers conferred by Section 46 (2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulation, 1950, the Director General has fixed the 1-10-94 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Assam Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1955 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Assam namely :—

"Areas comprising the Revenue Villages of Jagiroad Revenue Town, Nowkhala Grant, Ghunusa, Teghoria, Pachim Nowgaon and Korkat Basti in Mouza & Taluk Gova in District Marigaon."

O. ABDUL HAMEED,
Director (P&D)

EMPLOYEES' PROVIDENT FUND ORGANISATION CENTRAL OFFICE

New Delhi-110001 dated 1 Nov. 1994

No. CPFC 1(4)/OR(837)/94/1788.—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers & the majority of the employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments, namely:—

Sl. No.	Code No.	Name and address of the Establishments	Date of coverage
1.	OR/3159	M/s. Kondoi Transport, Manglabag, Cuttack-I	30.4.86
2.	OR/4683	M/s. Gajapati Security Services (Pvt.) Ltd., Plot No. 697, Jharpada, Bhubaneswar-6.	28-2-93

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, I, K. S Sarma Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

K. S. SARMA
Central provident fund commissioner

S.O.(C.P.F.C.1(4)MH(841)/94-1791.—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employees and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19

of 1952), should be made applicable to their respective establishments namely:-

S. No.	Code	Name & address of the estt.	Date of Coverage
1.	MH/37569	M/s. Intec System Pvt. Ltd., Marwah House, 3 Marwah Estate, Saki Vihar Road, Andheri (E), Bombay-400072.	1-1-91
2.	MH/38508	M/s. Samangad Sahakari Patpedi Ltd., 13/18, B.D.D. Chawl, N.M. Joshi Marg, Bombay-13.	1-7-91
3.	MH/38900	M/s. Ashok Engineering Works, 158, Lal Bahadur Shastri Road, Opp. Old Kuria Court., Kuria (W), Bombay-400070.	1-6-92
4.	MH/60995	M/s. Lacreme Ice-cremes Pvt., Ltd., Plot No. W-72-B, MIDC Hingna Road, Nagpur.	1-6-93
5.	MH/39252	M/s. Mitmol Conveyors Pvt., Ltd. Plot No. 814A, Periera Compound, Behind Nand Jyoti Ind. Estate, Bombay-72, (including branches)	1-2-92
6.	MH/39775	M/s. Radiographic Services (I) Pvt. Ltd., 2 Shilpa, 7th Road, 107, Prabhat Colony, Santacruz (E), Bombay-55.	1-4-93
7.	MH/39774	M/s. Acube Engineering and consultancy 2, Shilpa, 7th Road, 107, Prabhat Colony Santacruz (E), Bombay-55.	1-4-93
8.	MH/39807	M/s. Romeo Marine Manage- ment Off Lawrence Apartments, Datta Mandir Road, Vakola Piplane, Santacruz (E) Bombay-55.	1-3-94

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, I, K. S. Sarma, Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

K. S. SARMA,
Central Provident Fund Commissioner

S.O. No. CPFC. 1(4)/MH(846)/94/1795.—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers and the majority of the employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provision

Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments namely:-

S. No.	Code No.	Name & address of the estt.	Date of coverage
1.	MH/29508	M/s. Navrang Sadi Emporium Powai Naka, Satara-415001.	1.11.93
2.	MH/29511	M/s. Hutatma Kisan Ahir Sahakar Karkhana Kamgaranchi Sahakari Pat Sanstha Ltd., Wajwe Taluka Wajwe, Dist. Sangli.	1-4-92
3.	MH/29502	M/s. Shree Mahavir Sahakari Dudh Vyavasaik Sanstha Ltd., Kinl, Tal. Hatkanangale, Dist. Kolhapur.	1-1-93
4.	MH/29503	M/s. Om Shree Swami Samarth Nagari Sahakari Path Sanstha Maryadit, 1632 B-Ward, Mangalwarpath, Kolhapur.	1-4-92

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, I, K. S. Sarma Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

K. S. SARMA,
Central Provident Fund Commissioner

S.O. No. CPFC. 1(4)/MH(847)/94/1799.—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that employers & the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments, namely:-

S. No.	Code No.	Name & Address of the estt	Date of coverage
1.	MH/38433	M/s. Pragati Premises Co-op. Society Ltd., (Formerly Todi Industrial) Pragati Indus- trial Estate, 316, N.M. Joshi Marg, Bombay-400011.	1-7-91
2.	MH/27929	M/s. K. J. Somaiya Medical College, Near Everard Nagpur, Eastern Express Highway, Sion, Bombay-400022.	1-4-93
3.	MH/39597	M/s. K. J. Somaiya Hospital Research Centre, Near Everard Nagar Eastern Express Highway, Sion, Bombay-400022.	1-4-93

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, I, K. S. Sarma, Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

K. S. SARMA,
Central Provident Fund Commissioner

S. O. No. CPFC I (4)/KR/(850)/94/1803—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to their respective establishments namely:—

S. No.	Code No.	Name & address of the estt.	Date of coverage
1.	KR/12674	M/s. Dr. G. Ramachandran, Residential Public School, Ooruttukala, Neyyattinkara, Thiruvananthapuram-695121.	1-12-93
2.	KR/12682	M/s. Manishi Herbal Research Foundation, Muttacaud P. O. Koliyoor, Thiruvananthapuram- 23.	1-1-94
3.	KR/12683	M/s. Amrita Rehabilitation Centre for Women K.P.V./800, Kudappanakunnu P. O., Thiruvananthapuram, 695005.	1-1-94
4.	KR/12685	M/s. Athulya College, Neyyattinkara & Udiyankulan Gara P. O., Thiruvananthapuram.	1-1-94
5	KR/13634	M/s. Aiswarya Silks, Changanacherry.	1-7-92
6	KR/13502	M/s. Tecman Capacitors (P) Ltd., 34/1090, Balakrishna Menon Road, Edappally, Kochi-24.	1-3-92
7	KR/12679	M/s Vazhuthoor Harijan Handloom Weavers' Industrial Co-Op, Society Ltd. (Work shop) No. H. Ind. T. 360, Perumpazhuthoor, P.O. Neyyattinkara.	1-12-93

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, I, K. S. Sarma, Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establish-

ments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

K. S. SARMA,
Central Provident Fund Commissioner

S. O. No. CPFC 1(4)/MH(852)/94/1807—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers and the majority of the employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the employees, provident funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to their respective establishments namely:—

S.NO	Code No.	Name & address of the estt.	Date of coverage
1.	MH/37121	M/s. Kapadia travels Pvt. Ltd., 710, Rheja Centre, Nariman Point Bombay—21.	1-9-90
2.	MH/37347	M/s. Greater Bombay Police Co-op. Credit Society Ltd., B.D.D. Chawl, No. 6, 1st Floor, Nairam Road, No. 5, Bombay-400014.	1-7-90
3.	MH/37829	M/s. Mahendera Insulation Services, Mahendra House, Datta Mandir Road, Bhandup, Bombay-400078	1-1-91

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, I, K. S. Sarma, Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

K. S. SARMA,
Central Provident Fund Commissioner

S. O. No. CPFC 1(4)/MH (857)/94/1811—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provision of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to their respective establishments namely:—

S.No.	Code No.	Name & address of the estt.	Date of Coverage
1.	MH/60694	M/s. Sanjay Cotton Co., Kholashwar Lohiya Nagar, Akola.	31-3-92
2.	MH/60114	M/s. Viraj Constructions, 179-B, North Bazar Road, Dharampeth Extn, Nagpur-440010	1-10-90
3.	MH/50443	M/s. Avon Products. W-144A, AMIDC Ambad, Nasik-10	31-5-93
4.	MH/38915	M/s. LLOYDS International, 1007 Raheja Centre, Nariman Point, Bombay-400021	1-4-92

1	2	3	4
5.	MH/39271	M/s Marlborough Finance P. Ltd., Indage House, 82, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400018.	1-7-92
6.	MH/50389	M/s. The Dada Saheb Ramrao Patil Co-operative Bank Ltd., Sakri Tal, Sakri, Distt., Dhulia (M.S.) including branches.	30-11-92
7.	MH/60311	M/s. Confluent Engineering C/o Avinash S. Joshi, Rashmi Apartments, Lendra Old Ramdaspath, Nagpur-10.	1-2-91

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, I, K. S. Sarma, Central Provident Fund Commissioner hereby apply the Provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

K. S. SARMA,
Central Provident Fund Commissioner

S. O. No. CPFC.1(4)/MH(872/94/1815—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments namely :—

S. No	Code No.	Name & Address of the establishment	Date of Coverage
1	2	3	4
1.	MH/60757	M/s. Mohta Hydroquip W-34, MIDC Industrial Area, Hingna Road, Nagpur-16.	1-7-92
2.	MH/29515	M/s. Navrang Vastra Mahal, Powaj Naka, Satara-415009.	1-11-93
3.	MH/29523	M/s. The Castle 1718/E, Rajarampuri 2nd Lane, Kolhapur-416008.	1-12-93
4.	MH/38076	M/s. Shree Kalmeshwar Sahakari Pat Sanstha (Ltd.), Murbai, 11 Shivsmruti, Shingte Master Chowk, Curry Road Naka, N. M. Joshi Marg, Mumbai-400013	1-7-91

1	2	3	4
5.	MH/38761	M/s. Vaspar Enterprise, 22, Sea Breeze Bullock Road, Band Stand, Bandra, Bombay-400050.	31-10-91
6.	MH/39766	M/s. Swastik Industrial Co-op. Society Ltd., C-12, Mukund Nagar Co-operative Housing Society, Bombay.	1-10-92
7.	MH/39804	M/s. Jet Airways Pvt. Ltd., 26, Telli Park Road, Andheri (E), Bombay-69 (Including Branches)	1-1-93
8.	MH/39809	M/s. Spik Span Services No. 3, "Chandralekha", 16, Union Park, Pali Hill, Bandra, Bombay-400050.	1-1-94

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, I, K. S. Sarma Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

K. S. SARMA,
Central Provident Fund Commissioner

S. O. No. CPFC.1(4)/MH(873/94/1819—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments namely :—

S. No.	Code No.	Name & address of the Estt.	Date of Coverage
1	2	3	4
1.	MH/39192	M/s. Shekhar Electric Co., B-17, Kamapushpa Bandra Reclamation (West), Bombay-400050.	1-10-92
2.	MH/60904	M/s. Kalmeshwar Taluka Sahakari Shetki Kharedi Vikri Society Ltd., Kalmeshwar Distt., Nagpur.	1-4-93
3.	MH/60388	M/s. Community Development Society, 6-7, Y.M.C.A. Complex, Maharaj Bagh Road, Nagpur-440001 (including branches/units)	1-4-90

1	2	3	4	1	2	3	4
4.	MH/60813	M/s. Koradi Thermal Power Station Credit Co-op. Society Ltd., Koradi Distt., Nagpur.	1-11-92	2.	MH/29485	M/s. Chikurde Vikas Sah, Seva Sanstha Maryadit, Chikurde, Tal-Walwa, Distt. Sangli.	1-1-93
5.	MH/35674	M/s. Print Aakrutl, Unit No. 23, A-Z Industrial Estate, G. K. Marg, Lower Parel, Bombay-400013.	1-2-88	3.	MH/38479	M/s. Metmine Finance & Holding Pvt. Ltd., 161/162, Mittal Court 'A' Wing, Nariman Point, Bombay-400021.	1-10-91
6.	MH/38875	M/s. Subak Arts, Unit No. 212, A-Z Industrial Estate, G. K. Marg, Lower Parel, Bombay-400013.	1-1-90	4.	MH/38809	M/s. Futura Travels Pvt. Ltd., 204, Raheja Centre, 2nd Floor, Free Press Journal Road, Bombay-400021.	1-8-92
7.	MH/29539	M/s. Shree Shahu Chatrapati Sahakari Dudh Vyava Saik Sanstha Ltd., Kandgaon, Tah. Karveer, Distt. Kolhapur.	1-1-93	5.	MH/60844	M/s. Vinod Sweets And Cold Drinks, Parlum, Near-Narsing Talkies, Mahal, Nagpur-2.	1-12-92
8.	MH/39822	M/s. Vima Kamgar Co-operative Bank Ltd., Yogakeshema, Ground Floor, Jeevan Bima Marg, Bombay-400026. (including branches)	1-3-94	6.	MH/60956	M/s. Lotus Security Services, Near Lal School, Lodhipura, Nagpur-18.	1-6-93
				7.	MH/39448	M/s. Gonesis Advertising, Kathak Bhavan, 2nd Floor, Dadasaheb Phalke Road, Dadar (E), Bombay-400014.	1-2-93
				8.	MH/35724	M/s. Scan Video Pvt. Ltd., 1110, Raheja Chambers, F. P. J. Road, Nariman Point, Bombay-400021.	1-10-89
				9.	MH/60714	M/s. Shankar Rewinding Works, Zenda Chowk, Dharampeth, Nagpur.	1-6-92

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, I, K. S. Sarma, Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

K. S. SARMA,
Central Provident Fund Commissioner

S.O. No. CPFC. I(4)/MH(804)/94/1823.—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments, namely :—

S. No.	Code No.	Name & Address of the Estt.	Date of Coverage
1	2	3	4
1.	MH/29484	M/s. Precision Stamping Industry, Oglewadi -415105, Karad, Distt. Satara.	1-8-92

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, I, K. S. Sarma, Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

K. S. SARMA,
Central Provident Fund Commissioner

(OFFICE OF THE CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER)

New Delhi-110 001, the 7th November 1994

S.O. File No-FP-I(89)/89/1827.—Whereas M/s. (Rajasthan State Electricity Board) Code No. RJ/330q and applied for exemption from Employees' Family Pension Scheme, 1971, under sub-Section 1(c) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952).

And whereas, I, K. S. Sarma, Central Provident Fund Commissioner am satisfied that the benefits in the nature of Family Pension under the Establishment Pension-Cum-G.P.F. Scheme Rules as applicable to the employees of the said establishment from 28-11-88 are not less favourable than the benefits provided under the said Act, and the Employees' Family Pension Scheme, 1971.

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-Section (1-C) of Section 17 of the said Act, and subject to the conditions specified hereunder, I, K. S. Sarma, Central Provident Fund Commissioner, hereby exempt Regular Employees of the said establishment from the operation of all provisions of the Employees' Family Pension Scheme, 1971 with retrospective effect 28-11-88 to 30-9-1997.

CONDITIONS.

1. Notwithstanding anything contained in the Pension Rules/Family Pension Scheme of the establishments if the amount of pension payable in respect of any member upon his death is less than the amount of family pension payable if he was a member of the Employees' Family Pension Scheme, 1971 the Employer shall sanction the family pension which is admissible under the Employees' Family Pension Scheme, 1971.
2. The employer shall maintain such accounts, submit such returns to the Regional Commissioner and provide for such facility for inspection as the Central Provident Fund Commissioner may from time to time direct.
3. All expenses involved in the administration of Family Pension Scheme of the said establishment including maintenance of accounts, submission of accounts and returns, transfer of accounts etc. shall be borne by the employer.
4. The employer shall display on the notice board of the establishment a copy of the rules incorporating therein all amendments, if any of the Pension Rules/Family Pension Scheme of the said establishment as approved C.P.F.C. alongwith a translation of the salient features thereof in language understood by the majority of the employees.
5. No amendment of the rules of the Pension Rules/Family Pension Scheme of the establishments adversely affecting the interests of the employees shall be made without the prior approval of the Central Provident Fund Commissioner. The Central Provident Fund Commissioner will, before giving therein approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

K. S. SARMA
Central Provident Fund Commissioner,

THE BAR COUNCIL OF INDIA
New Delhi, the 31st August 1994

The Bar Council of India at its meeting dated 10th July, 1994 amended Rule 9, Part VI, Chapter III, with effect from the same date. The amendment is given in the following Resolution :—

RESOLUTION NO. 20/1994

RESOLVED that Rule 9 in Part VI, Chapter III, be amended by adding the following proviso to Rule 9 :—

"Provided that this Rule be not applicable to those who had been enrolled as a Pleader/Advocate earlier and those who have put in service as Judicial Officer at least for a period of ten years in case they are not dismissed/removed employees."

The Rule as amended will read as follows :—

"A person who has completed the age of 45 years on the date on which he submits an application for his enrolment as an Advocate to the State Bar Council shall not be enrolled as an Advocate.

Provided that this Rule be not applicable to those who had been enrolled as a Pleader/Advocate earlier and those who have put in service as Judicial Officer at least for a period of ten years in case they are not dismissed/removed employees."

C. M. BALARAMAN,
Secy.

CANTONMENT BOARD

Kanpur, the 8th November 1994

S. R. O. No. 53/4/C/DE/94—Whereas a draft notification relating to the imposition of House Tax, which the Cantonment Board, Kanpur, proposes to impose in exercise of the powers conferred by section 60 of the Cantonment Act, 1924 (2 of 1924) and in supersession of the notification of Government of India in the Ministry of Defence, Directorate General of Defence Estates, S.R.O. No. 53/2/C/L&C/75, dated the 18th June, 1990, was published on the 18th day of August, 1993, by affixing a copy thereof in a conspicuous part of the Cantonment Board, Kanpur, as required by section 61 read with section 255 of the said Act, inviting objection and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the expiry of a period of thirty days from the date of publication of the said notice;

And whereas the objections and suggestions received from the persons were considered by the Cantonment Board, Kanpur;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 60 of the Cantonment Act, 1924 (2 of 1924) and in supersession of the notification of Govt. of India in the Ministry of Defence, Directorate General of Defence Estate; No. S.R.O. 53/2/C/L&C/75, dated the 18th June, 1990 the Cantonment Board, Kanpur with the previous sanction of the Central Government hereby impose the following House Tax within the limits of the Cantonment Board, Kanpur at the rates specified in the Schedule annexed hereto.

Provided that the said house tax shall not be levied on :—

- (a) Buildings and lands the annual rental value of which is less than Rs. 360/-;
- (b) Lands used for agricultural purposes.

THE SCHEDULE

	Annual ratable value of the property	Rate of tax
1. From Rs. 361/= to	3000/=	11%
2. From Rs. 3001/= to	5000/=	13%
3. From Rs. 5001/= to	10,000/=	15.5%
4. From Rs. 10,001/= to	20,000/=	16.5%
5. From Rs. 20,000/= and above		17.5%

HARISH PRASAD
Cantt. Executive Officer, Kanpur

UNIT TRUST OF INDIA

Bombay, the 1st November 1994

No. UT/DBDM/452A/SPD 51/93-94.—The amendments to the provisions of the Unit Scheme 1964 made under Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963) approved by the Executive Committee in the meeting held on 20th October 1994 are published here below.

S. K. DASGUPTA
Joint General Manager
Business Development and Marketing

ANNEXURE

Amendments to the provisions of Unit Scheme 1964

The following paragraph is added after Clause 23 (2) on 'Payments to Unitholders' :

"However, the Trust, depending upon the reserves built under the scheme and if circumstances permit, shall compensate the unitholder to the extent possible in such form and manner as approved by the Executive Committee on any delayed claim of dividend by the unitholder."

UNIT TRUST OF INDIA

Bombay, the 10th November 1994

UT/DBDM/515A/SPD 715/93-94.—The provisions of the Monthly Income Plan 1994 (III) formulated under Section 19 (1) (8) (C) of the Unit Trust of India Act and the Monthly Income Scheme 1994 (III) made under Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963) approved by the Executive Committee in the Meeting held on 21st September 1994 and amended by the Executive Committee in the Meeting held on 20th October 1994 are published here-below.

S. K. DASGUPTA,
Jt. General Manager
Business Dev. and Marketing
Unit Trust of India
Bombay-400020

MONTHLY INCOME PLAN 1994 (III)
MIP '94 (III)

In exercise of the powers conferred by Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963) and Section 19 (1) (8) (c) of the said Act, the Board of the Unit Trust of India hereby makes the Monthly Income Scheme 1994 (III) and Plan in relation to such Unit Scheme as per the following provisions.

PROVISIONS OF THE MONTHLY INCOME SCHEME
1994 (III) (MIS/94 (III))

I. Short Title and Commencement :

(1) This Scheme shall be called the Monthly Income Scheme 1994 (III) [MIS/94 (III)].

2. The Scheme shall be for a period of five years ¹ [i.e. from 1st January 1995 to 31st December 1999].

(3) ²[Units will be on sale from 10th November 1994 to 7th December 1994.]

(4) Re-investment Option to unitholders under Monthly Income Unit Scheme with Extra Bonus Plus Growth (15) 1989 [MISG(13)'89].

MISG (13)'89 shall be maturing on 1st November 1994. Eligible unitholders under the MISG (13) '89 Scheme shall be permitted to opt for Re-investment of their maturity proceeds of MISG (13) '89 into units of this Scheme. Such option for re-investment can be exercised by the unitholders of MISG (13) '89 during ³[10th November 1994 to 7th December 1994]. The Re-investment will be effective from ⁴[1st January 1995] and the period of holding will be 5 years i.e. upto ⁵[31st December 1999]. ⁶ []

¹. Inserted on 20-10-94.

². Substituted for Unit will be on sale for such period are may be decided by Chairman. on 20-10-94.

³. Substituted for 1st November 1994 to 30th November 1994, on 20-10-94.

⁴. Substituted for '1st December 1994' on 20-10-94.

⁵. Substituted for 30th November 1999' on 20-10-94.

⁶. The provisions of the Scheme and Plan made thereunder will vary accordingly for such Re-investment optees' decided on 20-10-94.

(5) The Chairman may suspend or extend the sale of units under the scheme and plan made thereunder at any time by giving prior notice in leading newspapers or in such other manner as may be decided by the Trust.

II. Definition :

In this scheme and plan made thereunder, unless the context otherwise requires.

(a) The "Act" means the Unit Trust of India Act, 1963;

(b) "acceptance date" with reference to an application made by an applicant to the Trust for sale or repurchase of units by the Trust means the day on which the Trust, after being satisfied that such application is in order, accepts the same;

(c) "alternate applicant" in case of minor means the parent other than the parent who has made the application on behalf of minor.

(d) "Applicant" means a person who is eligible to participate in the scheme and the plan made thereunder who is not a minor and shall include the alternate applicant mentioned in the application form when units are sold for the benefit of a mentally handicapped person and makes an application under clause III of the Plan.

(e) "eligible institution" means an eligible trust as defined in the Unit Trust of India General Regulations 1964.

(f) "Member" used as an expression under the scheme and plan made thereunder shall mean and include the applicant who has been allotted units under the scheme.

(g) "Mentally handicapped persons" means any individual who suffers from mental disability of such a nature which prevents him from carrying out normal activities of life and is so certified by any Registered Medical Practitioner.

(h) "number of units deemed to be in issue" means the aggregate of the number of units sold and remaining outstanding.

(i) "person" shall include an eligible institution as defined above.

(j) "recognised stock exchange" means a stock exchange, which is, for the time being recognised under the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956).

(k) "regulations" means Unit Trust of India General Regulations, 1964 made under Section 43 (1) of the Act.

(l) "Re-investment Optees" shall mean and include all those unitholders under MISG (13) '89 who have exercised the option to Re-invest their holdings into units of this Scheme.

(m) "SEBI" means the Securities and Exchange Board of India set up under the Securities and Exchange Board of India, Act 1992, (15 of 1992).

(n) "Society" means a society established under the Societies Registration Act of 1860 or any other society established under any State or Central law for the time being in force.

(o) "unit" means one undivided share of the face value of Rupees ten in the unit capital.

(p) all other expressions not defined herein but defined in the Act Regulations shall have the respective meanings assigned to them by the Act/Regulations.

III. Valuation of assets pertaining to this Scheme

(a) Listed securities will be valued at closing prices on the Bombay Stock Exchange on the date of Valuation. Those not listed on Bombay Stock Exchange will be valued at closing prices on respective principal Stock Exchanges. If the securities have not been traded for more than one month prior to the date of valuation, then the Trust may value the securities in the manner considered by it to be fair so as to reflect its true realisable value in accordance with method of valuation approved by the Board.

(b) Money Market instruments and other fixed Income bearing instruments, including debentures, will be valued on the basis of current yields and maturity value of comparable instruments or in the manner as may be considered to be fair by the trust.

(c) To the value determined as above, shall be added the interest accrued in the case of fixed income securities and debentures and the dividend declared but not received in respect of equity shares and such other receipts accrued or accordable to the Trust.

(d) All other assets, not capable of being valued as aforesaid, shall be valued at their book value and if that is not available, in a manner as may be considered fair by the Trust.

(e) Valuation of securities which are not listed shall be periodically revised by the Board.

Valuation of assets will be subject to Regulations and Guidelines that may be prescribed by SEBI in due course.

IV. Trusts not be admitted and recognised for the purpose of the scheme and the Plan made thereunder

(1) The person who is registered as the member and in whose name a Membership Advice has been issued shall be the only person to be recognized by the Trust as the member and as having any right, title or interest in or to such units; and the Trust may recognise such member as absolute owner thereof and shall not be bound by any notice to the contrary or to take any notice of the execution of any Trust save as herein expressly provided or as by some court of competent jurisdiction ordered, to recognise any Trust or equity or other interest affecting the title to any units represented in the scheme.

(2) When an application is made by an individual for the benefit of another individual who is mentally handicapped and accepted by the Trust, the Trust shall not be deemed to be taking notice of any trust. The Trust shall deal, for all purposes, under the Scheme and the Plan made thereunder with the applicant or the person mentioned as alternate applicant in the application from in the event of the applicant's death.

V. Transfer of Units

Units issued under the Scheme are not Transferable/Assignable/Assignee.¹ []

VI. ²[]**VII. Investment Objective**

Funds collected under the scheme shall after providing for all initial preoperative and operational expenses generally be invested as follows considering the objectives of the Scheme :

- (i) Atleast 80% of the funds will be invested in fixed income securities and investments.
- (ii) Up to 20% of the funds will be invested in equities, equity related instruments and money market instruments.

¹ However, in case units are listed on the Stock Exchanges as per SEBI regulations, the units will carry free transferability deleted on 20-10-94.

² Listing of Units :

If special dispensation is not granted to UTI by SEBI, the units under this Scheme will be listed on Stock Exchanges as may be decided by the Chairman, deleted on 20-10-94.

VIII. Investment Limits :

¹[(i) All debt instruments in which investments are made by the Scheme shall be rated as investment grade by a credit rating agency: Provided that if the debt instrument is not rated, the specific approval of the Board of Trustees of the Trust shall be taken for investment.

(ii) No terms loans will be advanced by this scheme.

(iii) Investments by way of privately placed debentures, securitised debts and other unquoted debt instruments shall not exceed 40% of the total assets of the scheme.

(iv) The scheme shall not invest more than 5% of its corpus in any one company's shares;

(v) Not more than 10% of the funds of all the schemes taken together including this scheme shall be invested in shares, debentures or other securities of a single company.]

²[(vi) Not more than 15% of the funds under all schemes including this scheme shall be invested in the shares and debentures of any one industry :

Provided that provisions shall not apply to a scheme which has been floated for investments in one or more specified industries and a declaration to that effect has been made in the offer letter.

(vii) Transfers of investments from this scheme to another scheme/plan of the Trust shall be done as per the policies laid down by the Board of Trustees of the Trust.

(viii) The scheme shall not invest in or lend to another UTI scheme/plan.

(ix) The scheme shall not borrow funds to finance its investments.]

IX. Development Reserve Fund (DRF) contribution

0.25% of the capital may be collected as contribution towards the DRF of the Trust at the rate of 0.05% each year for five years. In addition, contribution may be at the rate of 0.05% of NAV per annum thereafter.

X. Publication of Accounts

The Trust shall as soon as may be after the 30th June of each year cause to be published in such manner as the Board may decide, accounts in the manner specified by the Board showing the working of the scheme and the plan made thereunder during the period ending as of that date. The Trust shall furnish to the SEBI copies of duly audited annual accounts including the balance sheet and the profit and loss account as also unaudited half yearly accounts and the quarterly statement of movements in NAV and a quarterly portfolio statement including changes from the previous periods. The Trust shall make such disclosures to the investors as are essential to keep them informed about any information which may have an adverse bearing on their investments.

1. Substituted on 20-10-94.

2. Substituted for

(a) Investments by the Trust from the funds of the Scheme in the securities of any one company shall not exceed 15% of the securities issued and outstanding of such companies. Provided that the aggregate of investments in the capital initially issued by new industrial undertakings shall not at any time exceed 5% of the total amount of the said funds.

(b) The limits prescribed under sub-clause (a) shall not apply to investments of the Trust in bonds and debentures and deposits of a company whether secured or not on 20-10-94.

The Trust shall on request in writing received from a member, furnish him a copy of the accounts and statements so published.

XI. Additions and Amendments to the Scheme and the plan made thereunder

The Board may from time to time add to or otherwise amend this scheme and the plan made thereunder and any amendment/addition hereof will be notified in the Official Gazette. In case of any amendments prior approval of SEBI shall be obtained.

[Amendments to the offer document based on the provisions of the Scheme can be effected with prior approval of the Executive Committee and of SEBI.]

XII. Termination of the scheme and plan made thereunder

(a) [The Scheme and plan made thereunder shall stand finally terminated on 31-12-1999.] The outstanding units of the members shall be repurchased and the members shall be paid the value of their units at the repurchase price fixed for the final repurchase during the above period. Besides receiving the repurchase price determined, no further benefit of any kind either by way of increase in the repurchase value or by way of dividend for any subsequent period shall accrue and the repurchase value will be paid by the Trust as early as possible after the Membership Advice along with the form of repurchase duly completed has been received by it and other procedural and operational formalities are complied with. The Membership Advice and other forms, if any, received for repurchase shall be retained by the Trust for cancellation.

(b) The Trust may wind up the scheme and the plan made thereunder the following circumstances :

(i) happening of any event which in the opinion of the Trust requires the scheme and the plan made thereunder to be wound up, or

(ii) if 75% of the units issued under the Scheme are repurchased/redeemed.

(c) Where the Scheme is wound in pursuance of clause (b) above, the Trust shall give notice thereof to SEBI and in two daily newspapers having all India circulation and in a vernacular newspaper in Bombay.

XIII. Copy of Scheme and plan made thereunder to be made available

A copy of this Scheme and the plan made thereunder incorporating all amendments thereto shall be made available for inspection at the offices of the Trust at all times during its business hours and may be supplied by the Trust to any person.

XIV. Power to construe provisions

If any doubt arise as to the interpretation of any of the provisions of the scheme and the plan made thereunder, only Chairman, and if no one is appointed as Chairman, then the Executive Trustee shall have powers to construe the provisions of the scheme and the plan made thereunder, in so far such construction is not in any manner prejudicial or contrary to the basic structure of the scheme and plan made thereunder and such decision shall be conclusive, binding and final.

1. Added on 20-10-94.

2. Substituted for "The Scheme and the plan made thereunder shall stand finally terminated on such date as may be decided by the Chairman depending on the date of closure of sale of units under the scheme and the plan made thereunder. In case of reinvestment ontees, the scheme and the plan made thereunder shall stand finally terminated on 30-11-1999 on 20-10-94.

The provisions of the scheme formulated hereunder and the provisions of the plan as stated in the scheme shall be read in conjunction to each other.

XV. Relaxation/variation/modification of provisions

Only Chairman, and if no one is appointed as Chairman then, the Executive Trustee of the Trust may in order to mitigate hardship or for smooth and easy operation of the Scheme and plan made thereunder, relax, vary or modify any of the provisions of the Scheme and plan made thereunder in case of any member or class of members upon such terms as may be deemed expedient.

XVI. Scheme and the plan made thereunder to be binding on members

The terms of the Scheme and the plan made thereunder including any amendments, changes thereto from time to time shall be binding on each member and every other person claiming through him as if he had expressly agreed that they should be so binding notwithstanding anything contrary contained in the provisions of the scheme and the plan made thereunder.

XVII. Benefits to the members

All benefits accruing under the Scheme and the plan made thereunder in respect of capital, reserves and surpluses, if any, at the time of the closure of the scheme and the plan made thereunder shall be available only to the members who hold the units for the full term of the scheme and the plan made thereunder till its closure.

PROVISIONS OF THE MONTHLY INCOME PLAN

1994 (III)

[MIP' 94 (III)]

I. Definitions

The words not defined in the Plan and defined in Scheme and Act/Regulations shall have their respective meanings assigned to them in the Scheme/Act/Regulations.

II. Face value of each unit

The face value of each unit issued under the scheme shall be ten rupees.

III. Application for units

(1) Applications for units may be made by residents only viz.

- (a) individuals either singly or with another individual on joint/either or survivor basis.
- (b) a parent, step-parent or other lawful guardian on behalf of a resident minor. An application cannot be made by an adult and minor jointly.
- (c) an eligible institution as defined under the Scheme including Private Trust being irrevocable trust and created by an instrument in writing.
- (d) an individual for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person.
- (e) a society as defined under the scheme.
- (f) a registered co-operative society.
- (g) other bodies corporate including non profit making companies formed u/s. 25 of the Companies Act, 1956 but excluding banks and other companies registered under Companies Act, 1956.

(h) Hindu Undivided Family.

(2) Application shall be made in such form as may be approved by the Chairman/Executive Trustee of the Trust

IV. Minimum amount of Investment

Application shall be made for a minimum of 200 units and thereafter in multiples of 100 units under both the options—Monthly & Cumulative. There will be no maximum limit.

V. Minimum target amount to be raised

Amount of Rs. 100 crores is targeted to be raised under the Scheme. The Trust shall by A/c Payee cheque/refund order refund not later than six weeks from the date of closure of the sale of units the entire amount collected under the Scheme if sixty percent of the said targeted amount is not subscribed.

VI. Limitation on expenses

Initial issue expenses ¹[may] not exceed 6% of the funds raised under the Scheme. ²[Total] expenses charged to the scheme except the initial issue expenses shall not exceed 3% of the average NAV during any accounting year.]

VII. Mode of Payment

(i) The payment for the units applied for by an applicant shall be made by him alongwith the application in cash, cheque or draft. Where applications are submitted at UTI offices, cheques or drafts should be drawn on branches of banks within the city where the office at which the application is tendered is situated.

Provided however that the applicant who wishes to apply for units from a place other than where the Trust has its office may do so by sending the application to the office of the Trust alongwith the bank draft for number of units applied after deducting therefrom charges payable for bank draft.

(ii) If the payment is made by cheque, the acceptance date will, subject to such cheque being realised, be the date on which the cheque is received by the Trust or authorised collection centre.

If payment is made by draft, the acceptance date will, subject to such draft being realised, be the date of issue of such draft, provided, the application is received by the Trust or authorised collection centre within such time as may be deemed reasonable by the Trust. If the amount tendered by way of payment for the units applied for is not sufficient to cover the amount payable for the units applied for, the applicant shall be issued such lower number of units as could be issued under the scheme, the balance due to him shall be refunded at his cost in such manner as the Trust may deem fit.

(2) Right of Trust to accept or reject application

The Trust shall have the right at its sole discretion to accept and/or reject application for issue of units under the scheme and plan made thereunder. Any decision of the Trust about the eligibility or otherwise of a person to make an application under the scheme and plan made thereunder shall be final.

Incomplete Application Liable For Rejection

In case the application is found to be incomplete, the same will be liable for rejection and refund of such application money will be made by the Trust as soon as possible without incurring any liability whatsoever for interest or other sum. Refund will be made after compliance of requisite operational and procedural formalities.

(3) Applicant bound to comply with requirements under the scheme and plan made thereunder before being issued units :

Persons applying for units under the scheme and plan made thereunder shall be bound to satisfy the Trust about

their eligibility to make an application and comply with all requirements of the Trust. The compliance or otherwise to the satisfaction of the Trust of such requirements shall be at the sole discretion of the Trust. Person who holds units under a false declaration shall be liable to have the membership cancelled and the name deleted from the register of members. The Trust shall have the right in such an event to repurchase the units at par and recover the Income Distribution wrongly paid from out of the repurchase proceeds and return the balance. The amount shall not carry any interest irrespective of the period it takes the Trust to effect the repurchase and to remit the repurchase proceeds to the applicant.

VIII. Sale of Units

The sale price of units during the period of offer shall be at par.

The contract for sale of units by the Trust shall be deemed to have been concluded on the acceptance date. On such conclusion of the contract for sale, the Trust shall, as soon thereafter as possible, issued to the applicant Membership Advice evidencing that he has been admitted as a member in the scheme and the plan made thereunder. A Membership advice issued by the Trust to the eligible institution or body corporate shall be made out in the name of the eligible institution/body corporate. The Trust shall not incur any liability for loss, damage, misdelivery or non-delivery of the membership advice so sent. The Trust shall endeavour to send the membership advice within 10 weeks from the date of closure of sale of units under the Plan or such extended time as may be decided by the Trust in consultation with SEBI.

IX. Repurchase of units

(1) There shall be a one year lock in-period ¹[i.e. upto 31st December 1995]. There shall be no repurchase during the first year of holding of units under the Scheme and the Plan made thereunder.

(2) **Monthly Income Option :** The Trust with offer to repurchase the units from the second year of holding of units under the Plan. Repurchase price will be on the basis of NAV declared from time to time. While calculating the repurchase price the Trust shall be at liberty to deduct administrative cost and other charges not exceeding 7% of the NAV per unit.

Repurchase shall be effected on receipt of the Membership Advice with the form of repurchase duly filled in. All the units indicated in the advice should be tendered for repurchase. No partial repurchase of units shall be permitted. The member while making an application for repurchase shall be bound to surrender all the unpaid Income Distribution warrants remaining outstanding upto and inclusive of the month of repurchase to the Trust.

The Trust shall not on accepting the Membership Advice alongwith the form for repurchase be bound to pay any Income Distribution on the units for the month of acceptance or future months nor shall any interest be payable on the repurchase proceeds. All the documents and the unpaid Income Distribution Warrants of any, received shall be retained by the Trust for cancellation.

(3) Notwithstanding anything contained in the foregoing sub-clauses the Trust shall be at liberty while repurchasing the units, in the event of failure of the member to surrender the Income Distribution Warrants which are then outstanding to deduct from the repurchase price such amount representing the amount of the Income Distribution Warrant payable in future as have not been surrendered and pay the balance to the member. On the acceptance of the Membership Advice and the form for repurchase by the Trust, the members' right to receive future Income Distribution including the Income Distribution for the month of acceptance will cease and the Trust shall have a claim on the amount/s represented by such outstanding Income Distribution.

¹ Substituted for 'shall' on 20/10/1994.

² Inserted on 20-10-1994.

³ Inserted on 20/10/94.

(4) A member to be entitled to a full year's Income Distribution paid out on a monthly basis should have held the units for a full year. A member who holds units for a part of the year shall be entitled to receive proportionate Income Distribution for the period of holding which shall always be full English Calendar months of holding, part of a month of whatever length being always ignored.

(5) In the event of the death of the member and on surrender to the Trust by the legal representative or nominee of the Membership Advice, the form of repurchase and the unpaid Income Distribution Warrants outstanding to the deceased member, the Trust shall on compliance with the requirements laid down in connection with the recognition of claim, repurchase the units in the manner prescribed in sub clause (2) and (3) hereinabove in accordance with such rules and guidelines as may be formulated by the Trust and pay the outstanding proportionate monthly income distribution upto the date of the settlement of the claim.

(6) Payment for units repurchased by the Trust after the deductions, if any, shall be made as early as possible after the acceptance date in such manner as the applicant may indicate in the application. No interest shall, on any account, be payable on the amount due to the applicant and the cost of remittance (including postage) or of realisation of cheque or draft sent by the Trust shall be borne by the applicant.

(7) Cumulative Option

The Trust shall in case of units issued under Cumulative option offer to repurchase the units from the second year of holding of units under the Plan. Repurchase price will be on the basis of NAV declared from time to time. While calculating the repurchase price the Trust shall be at liberty to deduct administrative cost and other charges not exceeding 7% of the NAV per unit.

No partial repurchase will be permitted.

(8) The repurchased units will not be reissued.

(9) The basis of computation of repurchase price shall be subject to Regulations, Guidelines that may be prescribed by SEBI in due course.

X. Restrictions on repurchase of units :

Notwithstanding anything contained in any provision of the scheme and plan made thereunder, the Trust shall not be under any obligation to re-purchase units :

- (i) on such days as are not working days; and
- (ii) during the period (as notified by the Trust) when the register of members is closed in connection with the annual closing of the books and accounts.

Explanation :

For the purpose of this scheme and the plan made thereunder the term "working day" shall mean a day which has not been either.

(i) notified under the Negotiable Instruments Act, 1881, to be a public holiday in the State of Maharashtra or such other States where the Trust has its offices; or

(ii) notified by the Trust in the Gazette of India as a day on which the office of the Trust will be closed.

XI. Publication of final repurchase price :

Upon termination of the scheme and plan made thereunder in the manner provided in Clause XII of the provisions of the scheme, the Trust shall as early as possible after determining the final repurchase price publish it in such manner as it may deem fit.

XII. Determination of Net Asset Value (NAV) :

The Net Asset value of the plan shall be calculated by determining the value of the scheme's assets and subtracting the liabilities of the scheme taking into consideration the accruals and provisions. The Net Asset Value per unit shall

be calculated by dividing the NAV of the Plan by the total number of units issued and outstanding on that date. This NAV shall be published atleast in two daily newspapers at intervals not exceeding three months or at such intervals as may be approved by SEBI. The valuation of NAV will be subject to Regulations and Guidelines that may be prescribed by SEBI in due course.

XIII. Membership Advice :

No Unit/Membership Certificate shall be issued to a member in respect of his units issued under the scheme and the Plan made thereunder. They will however be given a Membership Advice evidencing admission as a member in the scheme and the Plan made thereunder.

XIV. Manner of preparation of Membership Advice :

The Membership Advice shall be as per Form A annexed hereto.

XV. Exchange of Membership Advice and procedure when advice is mutilated, defaced, lost etc. :

For the purpose aforesaid the member under the scheme and the Plan thereunder shall follow such rules/guidelines/procedures and execute such documents as would be formulated/required by the Trust from time to time.

XVI. Register of members :

The following provisions shall have effect with regard to the registration of members :—

(1) A register of the member shall be kept by the Trust and there shall be entered in the register inter alia :

- (a) the names and addresses of the members;
- (b) the number of the Membership Advice and the number of units held by every such person; and
- (c) the date on which such person became the holder of the units standing in his name.

(2) Any change of name or address on the part of any member shall be notified to the Trust, which, on being satisfied of such change and on compliance with such formalities as it may require, shall alter the register accordingly. Any change pursuant to the death of an applicant who has applied for units for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person shall be entered in the register accordingly.

(3) Except when the registers are closed in accordance with the provisions in that behalf hereinafter contained, the register shall during business hours (subject to such reasonable restrictions as the Trust may impose but so that not less than two hours on each business day shall be allowed for inspection) be open to inspection by any member without charge.

(4) The register will be closed at such times and for such periods as the Trust may from time to time determine provided that it shall not be closed for more than 60 days in any one year. The Trust shall give notice of such closure by advertisement in newspapers or other media.

(5) No notice of any trust express, implied or constructive shall be entered on the register in respect of any unit.

XVII. Application by and registration of eligible institutions, minors and applicant for the benefit of a mentally handicapped person.

(1) Eligible institutions body corporate, and societies (including co-operative societies) may be registered as members.

(2) An adult, being a parent, step-parent or other lawful guardian of a minor may hold units and deal with them in accordance with and to the extent provided, in sub-section (2A) of Section 21 of the Act. Such adult if so required shall furnish to the Trust, in such manner as may be specified, proof of the age of the minor and the capacity to hold and deal with units on behalf of the minors. The Trust shall be entitled to act on the statements made of such adult in the application form without any further proof.

(3) Where an application is made by an individual for the benefit of another individual who is mentally handicapped person, the Trust shall act on the statements and the certificates furnished and in doing so the Trust shall be deemed to be acting in good faith. The Trust shall be entitled to deal only with the applicant and in the event of his death, the alternate applicant for all practical purposes and any payment in respect of the units by the Trust to the said applicant or the alternate applicant shall be good discharge to the Trust.

(4) Eligible institutions, bodies corporate or societies shall whenever required submit to the Trust all the relevant documents showing the applicants competence to invest in units, such as Memorandum and articles of association, Bye-laws etc. an authorised copy of the resolution by the managing body etc. authorising investment in units and a copy of the requisite power of attorney.

XVIII. Receipt by member to discharge Trust :

The receipt of the member for any moneys paid to him in respect of the units represented by the Scheme and the Plan thereunder shall be a good discharge to the Trust.

XIX. Nomination by members :

(1) Members holding units singly or two members holding jointly may exercise the right to make or cancel a nomination to the extent provided in the regulations.

(2) Members being either parent or lawful guardian on behalf of a minor and an eligible institution, societies, bodies corporate, and an applicant who has applied for units for the benefit of a mentally handicapped person shall have no right to make any nomination.

XX. Death or bankruptcy of a member :

(1) In case of death of either of the joint members of units, the survivor shall be the only person recognised by the Trust as having title to or interest in the units represented by the Scheme and the Plan thereunder. Provided that nothing herein contained shall affect any right which any other person may have as against such survivor in respect of the said units.

(2) In the event of death of a single member, the nominee shall be the person recognised by the Trust as the person entitled to the amount payable by the Trust in respect of units.

(3) In the absence of a valid nomination by a single member, the executor or administrators of the deceased member of a holder of succession certificate issued under part X of the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) shall be the only persons who may be recognised by the Trust as having any title to the units.

(4) Any person becoming entitled to the units consequent upon the death or bankruptcy of a member(s) may, upon producing such evidence to his title as the Trust shall consider sufficient, be paid the repurchase value of all units to the credit of the deceased after all the formalities in connection with the claim have been complied with by the claimant.

(5) In the event the nominee is a person eligible to hold units then at the desire of the said nominee, the nominee may instead of receiving the repurchase value of all units to the credit of the deceased shall be permitted to hold the units as a member and continue to remain registered as a member and shall be issued a Membership Advice in his name indicating units so desired to be held subject to the conditions regarding minimum holdings.

(6) In the event of the death of the applicant who has applied for units for the benefit of a mentally handicapped person, the Trust shall deal with the alternate applicant as if he were the applicant. Further, in the event of the death of the applicant or the alternate applicant, as the case may be, the existing applicant shall appoint another individual as his alternate applicant.

In the event of death of a single member during the lock in period the Trust shall settle the claim after compliance with necessary formalities and pay the legal heir/nominee the repurchase value as detailed in the relevant clause(s) for arrived at by any method as may be decided by the Trust.

XXI. Income Distribution :

(1) The member shall have the right to exercise an option to participate in the Monthly Income option or the Cumulative option. This shall be done at the time of investment in the scheme and the option once exercised will be final. In the absence of any specific option being exercised by the applicant it shall be treated as Monthly Income option.

Monthly Income Option

1. [A dividend of 12% p.a. shall be paid on monthly basis for the first year. Based on the investment objectives and policies of the Plan as also prevailing and likely yields from the instruments in which funds of the Plan will be invested, the Plan would be able to generate sufficient returns to pay dividend of 12% p.a. payable monthly in the first year for the investors. Rate of dividend for each subsequent year shall be decided on the basis of the income of the scheme and relevant factors and shall be declared at the end of the previous year and paid monthly. Post dated Income Distribution Warrants for one full year will be sent to the investors every year.]

(2) The income distribution for each month shall be made payable at the beginning of the following month and will be paid by the Trust under such prepayment arrangements by means of Income Distribution Warrants or any instrument encashable at par at the branches of such bank as the Trust may specify.

Such of those units which have been sold under an application accepted by the Trust on or before the 15th day of a month shall be eligible for income distribution for the whole month and the units sold after the 15th day of the month shall be eligible for income distribution for that half month.

1[The entitlement of dividend will be as follows : 10-11-1994 to 15-11-1994 Full month's dividend 16-11-1994 to 30-11-1994 Half month's dividend 01-12-1994 to 07-12-1994 Full month's dividend. In case an applicant opts for the Cumulative Option, one consolidated warrant will be paid for the period upto December 31, 1994.]

(3) 2[Provided that the dividend for the period ending March 31, 1995 will be sent by one income distribution warrant dated 31st March 1995 and shall be forwarded to the member alongwith the 9 post dated Income Distribution Warrants upto December 31, 1995.]

¹ Substituted for A dividend of 13% p.a. shall be paid on monthly basis during the first year. Rate of dividend for each subsequent year shall be decided on the basis of the income of the scheme and relevant factors and shall be declared at the end of the previous year post dated warrants for one full year will be sent to the investors. Dividend for subsequent years shall be paid monthly. on 20-10-94.

² Substituted for 'For Re-investment optees, the entitlement of dividend will be as follows : 01-11-1994 to 15-11-1994 Full month's dividend 16-11-1994 to 30-11-1994 Half month's dividend. In case an applicant opts for the Cumulative Option, one consolidated warrant will be paid for the period as may be decided by the Chairman, for Re-investment optees it will be paid for the period upto November 30 1994.' on 20/10/1994.

Income Distribution for the second, third fourth and fifth years shall be forwarded to the member in advance for one year at a time.

The Trust however reserves the right to forward post dated Income Distribution Warrants for such of the members as may be applicable in such manner and for such periods as the Trust may determine.

(4) Subject to the provisions of sub-clause (3), the warrants for payment of income distribution on a monthly basis will be sent to the member in five lots and the warrants will be so dated that the member shall encash each one of the warrants on becoming mature for payment. Every warrant shall have validity for three months.

The Trust shall not be bound to pay interest in the event of any of the warrants not reaching the members before the expiry of the validity period or in the event of their becoming stale.

(5) In the event of a repurchase which shall always be in full, the member upon non-surrender of unpaid warrants shall be entitled to encash these warrants which are due for the subsequent months and remaining in the custody of the members on the dates of maturity and the amount represented by such Income Distribution Warrants shall be deducted from the repurchase proceeds.

(6) In the event of the death of the member if the sole nominee is eligible to hold units and desires to continue to hold the units, then the sole nominee shall be bound to return all the unencashed warrants for the future months for necessary rectification. However, such a nominee desiring to continue to hold the units shall not be entitled to any interest or any compensation during the period it takes the Trust to rectify the warrants already issued in favour of the deceased member to those in favour of the newly admitted members.

(7) In the event of the death of an applicant where the application is made by an individual for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person, the alternate applicant shall be bound to return all the unencashed Income Distribution Warrants for future months for necessary rectification. However, such alternate applicant shall not be entitled to any interest or any compensation during the period it takes the Trust to rectify the warrants already issued in favour of the deceased applicant to those in favour of the newly admitted applicant.

(8) Notwithstanding anything contained in the foregoing sub-clause, the Trust reserves its right to make the Income Distribution on a quarterly, half yearly or annual basis as the case may be, should the reasons of expediency cost. Interest of members and other circumstances make it necessary for the Trust to do so. In such an event the Trust shall notify the members by a publication in two leading English Language daily newspapers. No member shall have a right to claim Income. Distribution on monthly basis after the Trust makes a notification as above.

Cumulative Option—There will be no income distribution under the Cumulative option.

FORM A

—EMBLEM—

UNIT TRUST OF INDIA MONTHLY INCOME PLAN—1994 (III) (CLAUSE XIV)

MEMBERSHIP ADVICE

Issued in accordance with the provisions of the Monthly Income Plan 1994 (III) [MIP-94 (III)] formulated under the Monthly Income Scheme 1994 (III) [MIS-94 (III)].

2. Substituted for "Provided that the Income Distribution for the first six months will be by means of one consolidated income distribution warrant and shall be forwarded to the member alongwith the 6 post dated Income Distribution Warrants for the remaining six months of the year. For Re-investment optees, the Income Distribution for the period ending on May 31, 1995 will be sent by one income distribution warrant dated 1st March, 1995 and shall be forwarded to the member alongwith the 6 post dated Income Distribution Warrants for the months upto November 30 1995, on 20/10/1994.

NOT TRANSFERABLE

Membership No. :

No. of Units (Face value of Rs. 10/- per unit) :

Name of the Member :

Address :

Name of the second named Member :

FOR UNIT TRUST OF INDIA
Zonal Head

Place :

Date :

FORM OF APPLICATION FOR REPURCHASE OF UNITS UNDER MIP-94 (III)

Date _____

To,

Unit Trust of India.

I/We _____ am/are the registered member(s)/survivor/nominee/heir(s)/legal representative(s) of the deceased member(s) of all units of the Unit Trust of India under Monthly Income Plan 1994 (III) [MIP 94 (III)] contained in Membership Advice No. _____ for _____ units and am/are desirous of selling to the Trust all the said units indicated in the Membership Advice at the repurchase price prevailing/determined by the Trust on the date of acceptance in respect of this application. The relative Membership Advice is enclosed.

The repurchase price of the units may be sent to me/us by * cheque/bank draft at the address given below.

Signature of witness

Signature(s)/Thumb-
Impression(s)

Name _____

Occupation :

1. _____

2. _____

Address : (Address of the banker should be given if the style of members signature has varied and is verified by Banker, in which case the Cheque/DD will be sent direct to the Bank.)

Account No. _____

Address :

For office use only

Date of acceptance

*Delete words not applicable.

*If thumb impression is affixed, it should be attested by Magistrate/Notary/Gazetted Officer of State/Central Govt. or Officer of RBI/IDBI.